दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता
www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-126 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 31 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'सफलता का रहस्य बड़े अवसरों में नहीं, बल्कि रोज़ किए गए छोटे-छोटे ईमानदार प्रयासों में छिपा होता है। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'घर की शांति का असली आधारः प्रेम, संवाद और आंतरिक पवित्रता'

परिवार केवल चार दीवारों का नाम नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, विश्वास और आपसी संबंधों का एक जीवंत संसार होता है। जब इस संसार में प्रेम, सहयोग और एकता का वास होता है, तब वह घर स्वर्ग के समान प्रतीत होता है। लेकिन जैसे ही इस रिश्तों की बुनियाद में ईर्ष्या, जलन और द्वेष का जहर घुलने लगता है, वही घर धीरे-धीरे भीतर से खोखला होने लगता है। यह एक ऐसा आंतरिक क्षरण है, जो बाहर से दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके परिणाम अत्यंत विनाशकारी होते हैं। यहां पर बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

आज के समय में यह देखा जा रहा है कि परिवारों के टूटने के पीछे सबसे बड़ा कारण बाहरी परिस्थितियां नहीं, बल्कि घर के भीतर पनप रही नकारात्मक भावनाएं हैं। जब अपने ही अपने से प्रतिस्पर्धा करने लगते हैं, जब भाई-भाई से, बहन-बहन से या सास-बहू से ईर्ष्या करने लगते हैं, तब रिश्तों की मिठास कड़वाहट में बदल जाती है। ऐसे माहौल में चाहे कितनी भी पूजा-पाठ, हवन या धार्मिक अनुष्ठान करवा लिए जाएँ, वास्तविक शांति प्राप्त नहीं हो सकती। धार्मिक क्रियाएँ तभी सार्थक होती हैं, जब उनके पीछे की भावना शुद्ध और सकारात्मक हो। यदि मन में द्वेष भरा हो और बाहर से पूजा का दिखावा किया जाए, तो वह केवल एक औपचारिकता बनकर रह जाती है। सच्ची पूजा तो मन की पवित्रता में है, अपने विचारों की शुद्धता में है और अपने व्यवहार की सच्चाई में है। जिस घर में आपसी प्रेम, सम्मान और संवाद नहीं है, वहाँ की गई कोई भी धार्मिक क्रिया स्थायी सुख और शांति नहीं ला सकती।

यह भी एक सच्चाई है कि इंसान बाहरी संघर्षों से तो लड़ लेता है, लेकिन जब संघर्ष उसके अपने घर के भीतर हो, तब वह टूटने लगता है। बाहर की समस्याओं का समाधान ढूंढना अपेक्षाकृत आसान होता है, क्योंकि वहां भावनात्मक जुड़ाव कम होता है। लेकिन जब अपने ही रिश्तों में दरार आ जाती है, तो वह दर्द गहरा और असहनीय हो जाता है। यही कारण है कि घर के भीतर का क्लेश इंसान को मानसिक रूप से कमजोर कर देता है। आंतरिक क्लेश केवल परिवार के रिश्तों को ही नहीं, बल्कि व्यक्ति के आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन को भी प्रभावित करता है। जब घर का वातावरण तनावपूर्ण होता है, तो व्यक्ति न तो अपने कार्यों में एकाग्र हो पाता है और न ही जीवन में आगे बढ़ने की ऊर्जा जुटा पाता है। धीरे-धीरे यह स्थिति अवसाद, निराशा और असंतोष का कारण बन जाती है। ऐसी स्थिति में सबसे अधिक आवश्यक है आत्ममंथन। हमें यह समझना होगा कि ईर्ष्या और जलन का जन्म तब होता है, जब हम दूसरों से अपनी तुलना करने लगते हैं। परिवार में प्रत्येक व्यक्ति की अपनी विशेषता और अपनी भूमिका होती है। यदि हम एक-दूसरे की सफलता को स्वीकार करने के बजाय उससे जलने लगेंगे, तो हम न केवल रिश्तों को नुकसान पहुँचाएंगे, बल्कि अपने स्वयं के विकास को भी रोक देंगे। परिवार को टूटने से बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है—संवाद। जब हम अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करते हैं और दूसरों की बात को धैर्यपूर्वक सुनते हैं, तो कई समस्याएँ स्वतः ही सुलझ जाती हैं। संवाद की कमी ही अक्सर गलतफहमियों को जन्म देती है, जो आगे चलकर बड़े विवादों का रूप ले लेती हैं। इसके साथ ही, हमें यह भी सीखना होगा कि क्षमा करना और भूलना एक महान गुण है। हर व्यक्ति से गलतियाँ होती हैं, लेकिन उन गलतियों को पकड़कर बैठ जाना और बार-बार उन्हें याद करना, रिश्तों को कमजोर करता है। यदि हम अपने मन को विशाल बनाकर छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करना सीख लें, तो परिवार में सौहार्द बना रह सकता है।

अंततः, यह समझना जरूरी है कि घर की असली शक्ति बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि आंतरिक एकता में होती है। प्रेम, विश्वास और सम्मान ऐसे स्तंभ हैं, जिन पर एक मजबूत परिवार खड़ा होता है। यदि ये स्तंभ कमजोर पड़ जाएँ, तो कोई भी बाहरी उपाय उस घर को टूटने से नहीं बचा सकता।

इसलिए, यदि हम वास्तव में अपने घर को सुखी और समृद्ध बनाना चाहते हैं, तो हमें सबसे पहले अपने भीतर की नकारात्मक भावनाओं को त्यागना होगा। ईर्ष्या के स्थान पर प्रशंसा, द्वेष के स्थान पर सहयोग और कलह के स्थान पर संवाद को अपनाना होगा। यही वह मार्ग है, जो किसी भी परिवार को टूटने से बचाकर उसे एक सशक्त और खुशहाल इकाई बना सकता है। याद रखें—बाहरी पूजा से ज्यादा महत्वपूर्ण है आंतरिक पवित्रता, क्योंकि सच्ची शांति वहीं बसती है, जहाँ दिलों में प्रेम और आपसी संबंधों में विश्वास होता है।

सीएम के रिव्यू मीटिंग में निर्देश; डॉक्टर ने बाहर की दवा लिखी तो कार्रवाई होगी

हरियाणा में दवा का रिकॉर्ड रियल टाइम सेंट्रलाइज्ड होगा

भीम प्रज्ञा न्यूज

चंडीगढ । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए है कि सरकारी अस्पतालों में दवा का रिकॉर्ड रियल टाइम सेंट्रलाइज्ड पोर्टल पर होगा। किस अस्पताल में कौन सी दवा उपलब्ध हैं, उस बारे में डॉक्टर को बताया जाएगा। ताकि बाहर की दवा लिखने की गुजाइंश न बचे। अगर फिर भी किसी डॉक्टर द्वारा बाहर से मिलने वाली दवा किसी मरीज की ओपीडी स्लीप पर लिखी जाती है, तो डॉक्टर उस बारे में अस्पताल में दवा उपलब्ध न होने की बात लिखेंगे। इतना ही नहीं, इस कार्य के लिए सीएमओ की जवाबदेही तय होगी। मुख्यमंत्री ने सोमवार को सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक एवं विस्तृत समीक्षा बैठक की।

अधिकारिओं को व्यवस्थाओं पर निगरानी रखने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारिओं को सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सा उपकरणों की स्थिति, ओपीडी प्रबंधन, डॉक्टरों व स्टाफ की तैनाती, दवा एवं उपकरणों की खरीद प्रक्रिया तथा मरीजों को दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल आने वाले मरीज को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और सभी अस्पतालों में आवश्यक दवाओं, उपकरणों एवं सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

12 जिलों में हाईटेक हों सरकारी अस्पताल

मुख्यमंत्री ने बाकी 12 जिलों में इन सुविधाओं से संबंधित कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को उच्च स्तरीय जांच सुविधाओं के लिए अन्य जिलों में न जाना पड़े और उन्हें अपने ही जिले में बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य ढांचे का चरणबद्ध तरीके से विस्तार किया जाए।

बैठक के दौरान अस्पतालों में मरीजों की संख्या के अनुरूप व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अस्पतालों में डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

CMO चार दिन पहले ही बताएंगे

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमीं की स्थिति किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अस्पतालों में दवाओं के स्टॉक की रियल टाइम मॉनिटरिंग प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि दवाओं की उपलब्धता पर निरंतर नजर रखी जा सके और आवश्यकतानुसार समय रहते आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में दवा की खरीद इत्यादि को लेकर 1 साल के लिए पैनल इत्यादि की व्यवस्था की जाएं। सीएमओ 4 दिन पहले ही पैनल संबंधित एजेंसियों को दवा उपलब्धता बारे बता दें, ताकि किसी अस्पताल में दवा की कमीं न रहे।

बाहर की दवा लिखी तो नपेंगे डॉक्टर

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि चिकित्सकों द्वारा मरीजों को अनावश्यक रूप से बाहर की दवाइयां लिखने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखा जाए। इस संबंध में तय दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएं, ताकि मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े और उन्हें सरकारी अस्पतालों में ही समुचित उपचार मिल सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों में स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि अस्पतालों में सीटी स्कैन, एमआरआई सहित अन्य उन्नत चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से इस दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए जानकारी ली और बताया गया कि 10 जिलों में आवश्यक अपडेट पूरे किए जा चुके हैं।

रबी फसल खरीद को लेकर प्रशासन सजग

अनाज मंडियों में खरीद प्रक्रिया के मद्देनजर प्रशासनिक अधिकारियों की ड्यूटी तय

डीसी डॉ. विवेक भारती ने ली रबी फसल खरीद को लेकर बैठक

सीसीटीवी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन और जीपीएस ट्रैकिंग से होगी पूरी प्रक्रिया पारदर्शी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । आगामी रबी फसल खरीद सीजन के मद्देनजर अनाज मंडी व खरीद केंद्रों पर व्यवस्थित, पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित करने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। डीसी डॉ. विवेक भारती ने लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक में स्पष्ट किया कि जिला की सभी अनाज मंडियों एवं खरीद केंद्रों पर सुव्यवस्थित खरीद के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है, जबकि संबंधित एसडीएम को उनके उपमंडल क्षेत्र का ओवरऑल इंचार्ज नियुक्त किया गया है, जो पूरी व्यवस्था की निगरानी सुनिश्चित करेंगे। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए सभी मंडियों और खरीद केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाएं और बायोमेट्रिक मशीनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि मंडी में फसल लेकर आने वाले प्रत्येक वाहन की एंट्री के समय फोटो ली जाएगी तथा खरीद के दौरान किसानों का बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, फसल उठान के लिए मंडी से बाहर जाने वाले प्रत्येक वाहन के लिए एग्जिट गेट पास अनिवार्य होगा और उनकी जीपीएस ट्रैकिंग भी की जाएगी, जिससे पूरी खरीद प्रक्रिया की निगरानी प्रभावी ढंग से हो सके। डीसी ने मंडियों एवं खरीद केंद्रों पर किसानों के लिए सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि बिजली, स्वच्छ पेयजल, शौचालय सहित अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए कि मंडियों में बारदाना, क्रेट्स व अन्य विपणन उपकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें, जिससे खरीद कार्य बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से संपन्न हो सके। डीसी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से पूर्ण की जाएं, ताकि रबी फसल खरीद कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो।

यह रहे मौजूद

बैठक में एडीसी अनुराग ढालिया, एसडीएम टोहाना आकाश शर्मा, एसडीएम फ़तेहाबाद राजेश कुमार, एसडीएम रतिया सुरेंद सिंह, आरटीए सचिव संजय बिश्नोई, सीईओ जिला परिषद सुरेश कुमार, डीडीपीओ अनूप सिंह, डीएफएससी कुशल बूरा, डीएमईओ राहुल कुंडू, जीएम हेफेड मांगेराम बेनीवाल, डीडीए राजेश सिहाग सहित खरीद एजेंसियों के अधिकारी और मार्केट कमेटी सचिव मौजूद रहे ।

नामांकन के लिए शिक्षक अभिभावक बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । निकटवर्ती ग्राम लुमास में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय लूमास में आज शिक्षक ओर अभिभावक, ग्रामवासियों के साथ विद्यालय में अधिकाधिक नामांकन बढ़ाने को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधानाचार्य कैलाश जांगीड़ ने की। बैठक में प्रधानाचार्य द्वारा विद्यालय में नामांकन बढ़ाने के लिए ग्रामीण जनो से अपील की वे विद्यालय में अधिक से अधिक नामांकन करवाये। बैठक में लुमास निवासी अमेरिका प्रवासी कमलेश साई व धर्मपत्नी विमला ने भी वीसी के माध्यम से अपनी भागीदारी निभाई। इस दौरान भामाशाह हरफूल सिंह के सुपुत्र कमलेश द्वारा विद्यालय के लिए एक कमरा बनाने व डिजिटल स्मार्ट बोर्ड लगवाने तथा पाँच कम्प्यूटर सैट देने की घोषणा की। ग्रामीण जनो द्वारा बालिकाओ के लिए शौचालय के पुनर्निर्माण करवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में ही पाँच विद्यार्थियो का नामांकन करवाया गया। बैठक में संजय शर्मा,केशर देव शर्मा, सावरमल गोदारा, फूलचन्द जागीड़, इन्द्रपाल बुगालिया, रामकरण सिंह, अध्यापक सुरेद्र गोदारा ,अजीत सिह शेखावत, अरविन्द सिंह ,बाबूलाल सैनी, नरेंद सिंह, कैलाश शर्मा, राजपाल सिंह,उम्मेद शेखावत, राजेश ,बाबू शेखावत, राजेश चारण,राजेश सैनी ,अरविंद शर्मा,महेंद्र सिंह शेखावत, दयाल सिंह,उगम सिंह सहित अन्य लोगो ने भाग लिया। बैठक में नामांकन के लिए ग्रामीण जन घर घर जाकर लोगों से सम्पर्क करने का निर्णय लिया ।

राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर) की जिला कार्यकारिणी बैठक संपन्न, जयंती व चुनावों पर अहम फैसले

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । स्थानीय आनंद निकेतन में राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर) की जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार पंवार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, आगामी चुनावों और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के भव्य आयोजन को लेकर विस्तृत रणनीति तय की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अंबेडकर जयंती को ब्लॉक स्तर पर भव्य रूप से मनाया जाएगा। इसके लिए ब्लॉक कार्यकारिणी, सक्रिय कार्यकर्ताओं और जेपीजी मिशनरी साथियों के सहयोग से ब्लॉक सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश कार्यकारिणी के निर्देशानुसार 15 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच ब्लॉक कार्यकारिणी चुनाव कराए जाएंगे। जिलाध्यक्ष को चुनाव कार्यक्रम की तिथि और समय तय करने का अधिकार दिया गया है। बैठक में शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। प्रधानाचार्य पदों पर 50 प्रतिशत सेवारत शिक्षकों की परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति तथा ञ्श्वञ्ज पास की अनिवार्यता समाप्त करने का प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही संगठन विस्तार को लेकर सभी ब्लॉकों से सदस्यता रसीद बुक जमा कराने और सदस्यता अभियान का लेखा-

जोखा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर संगठन के समर्पित साथी एवं व्याख्याता गुमाना राम के 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने पर साफा, शाल और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। बैठक में प्रदेश संरक्षक मोडा राम कड़ेला, वरिष्ठ सदस्य मोहन लाल रेन, प्रदेश उपाध्यक्ष भंवर लाल परिहार कोलासर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चेतराम बालान, निर्देशालय महामंत्री दीनदयाल जनागल, जिला सभाध्यक्ष हेमाराम गहलोत, जिला कोषाध्यक्ष मुकेश सेवलिया सहित कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और भीम सैनिक मौजूद रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जिसमें सभी सदस्यों ने संगठन की मजबूती और एकजुटता का संकल्प लिया।

सालासर पदयात्रियों के लिए संयुक्त साथी सेवा मंडल का निःशुल्क सेवा शिविर शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

संयुक्त साथी सेवा मंडल द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सालासर बालाजी जाने वाले पद यात्रियों की सेवा हेतु निःशुल्क सेवा सहायता शिविर का शुभारंभ सोमवार को किया गया।

शिविर का शुभारंभ सनवाली आश्रम के पीठाधीश्वर शांतिनाथ महाराज के सानिध्य में निर्वतमान नेताप्रतिपक्ष एडवोकेट ललित पुरोहित, निवर्तमान पार्षद विष्णु शर्मा, व्यवसायी दीपक जाजोदिया, सुभाष सुरेका एवं अध्यक्ष सांवरमल शर्मा भूमा वाले द्वारा विधिवत रूप से किया गया। इस अवसर पर सालासर बालाजी महाराज की पूजा अर्चना विधिवत रूप से जोहडे वाले बालाजी मंदिर के पुजारी गणेश

जोशी के द्वारा संपन्न करवाई गई।शिविर में सालासर जाने वाले पद यात्रियों के लिए आवास, स्नान, भोजन, नाश्ता, चाय-पानी, छाछ एवं मेडिकल सहित अनेक सुविधाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। सेवा मंडल के कार्यकर्ता यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए पूरी तत्परता के साथ सेवा कार्य में जुटे हुए हैं। शिविर 30 मार्च से 31 मार्च तक संचालित रहेगा जिसका समापन 01 अप्रैल को दोपहर में किया जाएगा।

शहतूतः स्वाद के साथ देता है सेहत का वरदान

एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से भरपूर

गर्मियों की शुरुआत के साथ रसीले फल भी बाजार में आने लगते हैं। तरबूज और खरबूज के साथ शहतूत भी मार्च और अप्रैल के महीने में ही आता है, लेकिन खास बात यह है कि यह एक सीमित समय के लिए आता है। शहतूत को अन्य भाषाओं में तूत या मलबेरी के नाम से भी जाना जाता है। शहतूत के स्वाद के बारे में सभी बात करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह स्वाद के साथ-साथ सेहत का भी खजाना है? यह पेड़ अपनी रसीली फलियों, पत्तियों और औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है। आयुर्वेद में शहतूत की छाल, फल और जड़ को गुणों का खजाना माना गया है। सदियों में उनका इस्तेमाल कई रोगों में होता आया है, जैसे खांसी, बुखार और डायबिटीज। शहतूत के रसीले फल विटामिन सी, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने और पाचन में मदद करते हैं। इसे आयुर्वेद में पित्तवातशामक माना गया है, जो रक्त को शुद्ध करने में भी मददगार है। इसका स्वाद मीठा और खट्टा दोनों होता है,जो शरीर में बढ़ रहे वात को संतुलित करने में सहायक है। इसकी छाल का काढ़ा और चूर्ण भी कई रोगों में लाभदायक होता है, हालांकि सेवन से पहले चिकित्सक से सलाह जरूर लें। शहतूत के फल में एंटी-एजिंग गुण मौजूद होते हैं, जो बढ़ती उम्र के असर को कम करता है और झुर्रियों को आने से रोकता है। अगर चेहरे पर दाग-धब्बे और रूखापन रहता है, तब भी फल का सेवन करना लाभकारी होगा। यह चेहरे को नई चमक देगा और आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करता है। भरपूर विटामिन %ए% का सोर्स होने की वजह से यह आंखों की रोशनी को बढ़ाता है। शहतूत में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण भी होते हैं, जो त्वचा को बाहरी संक्रमण से सुरक्षित रखते हैं। यह एक्जिमा-सोरायसिस जैसे रोगों में भी दवा की तरह काम करते हैं। इसके साथ ही शहतूत में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, तो इसका सेवन मधुमेह के रोगी भी कर सकते हैं। यह रक्त में शर्करा की मात्रा को संतुलित रखता है और इसमें आयरन की मात्रा भी अधिक होती है। शरीर में रक्त की पूर्ति और एनीमिया से बचने के लिए इसका सेवन रोजाना किया जा सकता है।

डायबिटीज से लेकर दिल तक, हर समस्या का इलाज है ये देसी ड्रिंक

आजकल बढ़ते प्रदूषण और खराब लाइफस्टाइल के चलते हुए लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है, जिस वजह से लोग बहुत जल्दी बीमार पड़ जाते हैं। आयुर्वेद में कुछ ऐसे नेचुरल उपाय बताए गए हैं, जो बेहद असरदार हैं। ऐसा ही एक देसी उपाय है मेथी दाना का पानी। सुबह खाली पेट इस पानी को पीना न सिर्फ सेहत के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह कई गंभीर बीमारियों से भी बचाव करता है। मेथी दाना में एक खास तरह का फाइबर होता है जिसे गैलेक्टोमैनन कहा जाता है। यह फाइबर ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है। अगर रोज सुबह मेथी दाना का पानी पीते हैं तो शुगर लेवल ज्यादा बढ़ने नहीं पाता। यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाता है और शुगर स्पाइक्स को रोकता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह किसी रामबाण से कम नहीं है। वजन कम करने वालों के लिए भी यह पानी बेहद उपयोगी है। मेथी पानी मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और भूख को कंट्रोल में रखता है। जब भूख कम लगेगी तो अनावश्यक कैलोरी भी कम खाएंगे। इसके नियमित सेवन से धीरे-धीरे वजन कम होना शुरू हो जाता है। मेथी पानी पाचन तंत्र के लिए भी बहुत फायदेमंद है। अगर आपको गैस, अपच, एसिडिटी या कब्ज की समस्या रहती है, तो यह पानी मदद कर सकता है। इसमें मौजूद सॉल्यूबल फाइबर पेट की सफाई करता है और पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है। रोजाना खाली पेट पीने से पेट हल्का लगता है और गैस या भारीपन की समस्या कम हो जाती है। हार्ट पेशेंट्स के लिए भी यह पानी फायदेमंद है। मेथी दाने में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं और दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को घटाते हैं। यह ब्लड प्रेशर को संतुलित रखता है और हार्ट अटैक के जोखिम को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, जो लोग गठिया या जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, उनके लिए भी मेथी पानी लाभकारी है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो सूजन और दर्द को कम करते हैं। हड्डियों को मजबूत बनाने में भी मदद मिलती है।

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के लिए ज्यादा खतरनाक है टीबी

छिन सकता है मां बनने का सुख

अक्सर हम यही मानते हैं कि टीबी सिर्फ फेफड़ों से जुड़ी एक बीमारी है, महिलाओं के लिए टीबी एक गंभीर खतरा बन सकती है, जिसे जननांग टीबी कहा जाता है। यह समस्या विशेष रूप से उन महिलाओं को अपना शिकार बनाती है जिनकी इम्युनिटी कमजोर होती है।

महिलाओं के शरीर पर कैसे होता है असर?

जब टीबी का संक्रमण महिलाओं के प्रजनन अंगों तक पहुंचता है, तो यह गर्भाशय, फैलोपियन ट्यूब और अंडाशय को भारी नुकसान पहुंचाता है। इसका सबसे खतरनाक नतीजा बांझपन के रूप में सामने आता है। दरअसल, टीबी के कारण फैलोपियन ट्यूब में सूजन या ब्लॉकेज आ जाती है। इस रुकावट के चलते महिला के अंडे और पुरुष के शुक्राणु आपस में मिल नहीं पाते हैं।

पीरियड्स का अनियमित होना या पूरी तरह से रुक जाना।

गर्भधारण करने में बहुत अधिक कठिनाई होना।

गर्भ ठहरने के बाद बार-बार गर्भपात हो जाना।

पुरुषों और महिलाओं में टीबी क्या अंतर है?

पुरुषों में टीबी का संक्रमण ज्यादातर फेफड़ों तक ही सीमित रहता है। हालांकि, कुछ मामलों में यह पुरुषों के प्रजनन अंगों- जैसे टेस्टिस और प्रोस्टेट को भी प्रभावित कर सकता है। इससे पुरुषों के स्पर्म काउंट और उनकी क्वालिटी में गिरावट आ सकती है, लेकिन एक बड़ी राहत की बात यह है कि महिलाओं की तुलना में पुरुषों में टीबी के कारण बांझपन का खतरा काफी कम होता है।

बीमारी को पहचानने में क्यों होती है देरी?

महिलाओं में इस जेनिटल टीबी की सबसे बड़ी चुनौती इसका छिपकर वार करना है। इसके लक्षण बहुत ही सामान्य और हल्के होते हैं, जैसे

हल्का पेट दर्द रहना

बेवजह कमजोरी महसूस होना

पीरियड्स साइकिल में बदलाव आना

अक्सर महिलाएं इन लक्षणों को आम बात समझकर नजरअंदाज कर देती हैं, और यही कारण है कि इस गंभीर बीमारी का पता बहुत देर से चलता है।

सही समय पर इलाज है बचाव

टीबी से घबराने की नहीं, बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। अगर सही समय पर इसकी जांच हो जाए और सही इलाज मिले, तो टीबी को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है। महिलाओं को यह खास ध्यान रखना चाहिए कि यदि उन्हें लंबे समय तक गर्भधारण करने में परेशानी हो रही हो या उनके पीरियड्स में लगातार बदलाव दिख रहा हो, तो वे बिना देरी किए डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

गर्भावस्था में कमजोरी, चक्कर और थकान ? हो सकता है एनीमिया

गर्भावस्था के दौरान कई महिलाओं को कमजोरी, चक्कर आना, थकान और सांस फूलने जैसी समस्याएं होती हैं। अगर ये लक्षण लगातार बने रहें, तो इसका कारण एनीमिया भी हो सकता है। एनीमिया (शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी) गर्भावस्था में मां और बच्चे दोनों की सेहत के लिए गंभीर समस्या बन सकती है। यह न केवल महिलाओं को रोजमर्रा के कामों में थकावट और कमजोरी महसूस कराता है, बल्कि बच्चे के विकास और वजन पर भी असर डाल सकता है। एनीमिया के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन गर्भावस्था में यह सबसे ज्यादा आयरन की कमी के कारण होता है। गर्भावस्था के दौरान शरीर और प्लेसेंटा के विकास के लिए अधिक लाल रक्त कोशिकाओं की जरूरत होती है, जिससे आयरन की मांग बढ़ जाती है। अगर महिलाओं की डाइट में पर्याप्त आयरन नहीं है या पहले से ही उनके शरीर में आयरन की कमी है, तो एनीमिया होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा, लगातार प्रेग्नेंसी, छोटी अंतराल पर गर्भधारण और पर्याप्त एंटी-नेटल केयर न मिलने जैसी वजहें भी एनीमिया को बढ़ावा देती हैं। एनीमिया के कुछ आम लक्षण हैं जैसे लगातार थकान, चक्कर आना, सांस फूलना, धड़कन तेज या अनियमित होना, त्वचा, होंठ और नाखूनों का पीला पड़ना, ठंडे हाथ-पैर, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और चिड़चिड़ापन। अगर हीमोग्लोबिन लेवल 10.9 ग्राम/डीएल से कम हो, तो इसे गंभीर माना जाता है। गर्भावस्था में एनीमिया से निपटने के लिए सबसे पहले सही खानपान बहुत जरूरी है। खाने में आयरन युक्त चीजें शामिल करें जैसे हरी पत्तेदार सब्जियां, ड्राई फ्रूट्स, मूली के पत्ते या ड्रमस्टिक के पत्ते। इसके अलावा अमरूद, खजूर, आंवला और अंकुरित अनाज भी लाभकारी हैं। फोलिक एसिड युक्त चीजें जैसे गेहूं, बीन्स और संतरा भी डाइट में शामिल करें। सब्जियों में गाजर, चुकंदर, कच्चा केला और फलों में सेब, अंगूर, चीकू, केला और अनार को शामिल करना भी फायदेमंद होता है। आयुर्वेद में भी एनीमिया के लिए कुछ असरदार दवाइयां हैं जैसे पुनर्नवादि मंडूर। हालांकि अगर हीमोग्लोबिन 7 ग्राम/डीएल से कम हो या एक महीने तक सही उपचार के बाद भी बढ़ोतरी न हो या महिला में कोई ब्लीडिंग डिसऑर्डर हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। एनीमिया सिर्फ कमजोरी का कारण नहीं है, बल्कि मां और बच्चे दोनों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है।

सिर्फ लड़ाई-झगड़ा से नहीं आती दूरी, आपकी इन आदतों के कारण भी खोखला हो सकता है रिश्ता

अक्सर हमें लगता है कि कोई बड़ी लड़ाई या बेवफाई ही रिश्ते को खत्म करती है, लेकिन असल में हमारी ही छोटी-छोटी नकारात्मक आदतें दीमक की तरह रिश्ते को अंदर से खोखला कर देती हैं। हमारा व्यवहार अनजाने में पार्टनर को भावनात्मक रूप से दूर धकेलने लगता है। आप में भी ऐसी आदतें हैं, तो रिश्ते को बचाए रखने के लिए काफी जरूरी है।

हर बात पर टोकना और आलोचना करना

कंस्ट्रक्टिव फीडबैक और लगातार क्रिटिसिज्म के बीच एक बहुत बारीक रेखा होती है। अगर आप अपने पार्टनर के उठने-बैठने, कपड़े पहनने या काम करने के तरीके में हमेशा कमियां निकालते रहते हैं, तो वे आपके सामने असहज महसूस करने लगेंगे। इससे पार्टनर को लगने लगता है कि वह आपके लिए काफी नहीं हैं। आत्मविश्वास कम होता है , बातें शेयर करना बंद कर देते हैं।

साइलेंट ट्रीट देना

नाराजगी जाहिर करने का यह सबसे टॉक्सिक तरीका है। बहस होने पर बात करने के बजाय पूरी तरह चुप हो जाना या पार्टनर को नजरअंदाज करना इमोशनल टॉर्चर जैसा है। खुलकर बात करना किसी भी रिश्ते की ऑक्सीजन है। जब आप साइलेंट ट्रीटमेंट देते हैं, तो पार्टनर असुरक्षित महसूस करता है और दूरियां कम होने के बजाय दीवारें खड़ी हो जाती हैं।

अतीत की गलतियों को बार-बार दोहराना

पुरानी बातों को ढाल बनाकर आज की लड़ाई में इस्तेमाल करना एक बहुत ही बुरी आदत है। अगर आपने किसी बात के लिए पार्टनर को माफ कर दिया है, तो उसे हर झगड़े में वापस लाना विश्वास को खत्म करता है।

हफ्ते में सिर्फ दो दिन योग और एक्सरसाइज करके रहें फिट

बुढ़ापे तक रहेंगे हेल्दी ...

आज की भागमभाग वाली जिंदगी में लोगों की जीवनशैली ऐसी हो गई है कि उनके पास अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए समय ही नहीं होता है। इसका मुख्य कारण यह है कि जब भी सेहतमंद रहने की बात आती है तो लोगों के दिमाग में सबसे पहले यही खयाल आता है कि इसके लिए मुझे रोज जिम जाना पड़ेगा या ढेर सारे अत्याधुनिक उपकरणों की जरूरत पड़ेगी या फिर प्रतिदिन घंटों योग-व्यायाम करना पड़ेगा, लेकिन अब ऐसा नहीं है और आपको परेशान होने की जरूरत भी नहीं है। करीब 30 हजार वयस्कों का डेटा शामिल किया गया। इन लोगों के डाटा से पता चला है कि योग-व्यायाम के साथ ही साधारण एक्सरसाइज, जैसे स्क्वाट्स, पुश अप्स और घरेलू सामानों को उठाने-धरने जैसी आसान क्रियाएं भी मांसपेशियों की ताकत बढ़ाती हैं। इसके साथ ही शरीर का संतुलन सही रहता है और चलने-फिरने की गति बेहतर होती है और शरीर लंबे समय तक स्वस्थ बना रहता है। योग-व्यायाम केवल हमारी फिटनेस को ही सही नहीं रखता है, बल्कि यह इस पर भी प्रभाव डालता है कि आप कितनी आसानी से सीढ़ियां चढ़-उतर सकते हैं, घर का सामान बाहर से लाने में या घरेलू सामान लेकर सीढ़ियां चढ़ने में आपकी सांस नहीं फूलती है और न ही थकावट का एहसास होता है। सबसे प्रमुख बात यह है कि बढ़ती उम्र में आप चलने-फिरने में गिरते भी नहीं हैं।

केवल दो दिन का योग फायदेमंद

अध्ययन के अनुसार मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाली एक्सरसाइज रोज करने की जरूरत नहीं है। सप्ताह में केवल दो दिन की गई ये एक्सरसाइज शरीर को बहुत लाभ पहुंचाती है। अध्ययन में शामिल विज्ञानियों के अनुसार मांसपेशियों मे हरकत लाने वाली क्रियाएं शरीर के लिए बहुत फायदेमंद साबित होती हैं। मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाली एक्सरसाइज का मतलब है कोई ऐसी एक्सरसाइज साइज जिसमें आपकी मांसपेशियां किसी बाहरी बल या वजन के खिलाफ काम करती हैं अर्थात बाहरी बल आपको खींचे और आपका शरीर उसे खींचे, उदाहरण के लिए जब किसी भारी सामान को उठाते हैं तो उसका बल आपको खींचता हैं।

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रमों का सफल आयोजन

19 जनवरी से 28 मार्च तक हुआ एमएसएमई प्रायोजित कार्यक्रमों का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम (ESDP) के अंतर्गत 19 जनवरी से 28 मार्च 2026 तक विभिन्न तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं में तकनीकी दक्षता, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना रहा। यह पहल छोटे और मध्यम उद्यमों (MSME) के क्षेत्र में कौशल विकास तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। कार्यक्रम के संरक्षक संस्?थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया थे। इन कार्यक्रमों का संयोजन एवं समन्वयन संस्थान के सोसाइटल इलेक्ट्रॉनिक्स ग्रुप ने किया।

इस श्रृंखला के अंतर्गत 19 जनवरी से 24 फरवरी तक तकनीकी एवं व्यावसायिक कौशल विकास हेतु ईएसडीपी कार्यक्रम, 16-20 फरवरी तक 'घरेलू उपकरणों के लिए सर्किट एवं बोर्ड डिज़ाइन पर उच्च स्तरीय कार्यक्रम' और 9-13 मार्च तक 'होम ऑटोमेशन के लिए आईओटी आधारित सिस्टम डिज़ाइन कार्यक्रम' प्रमुख कार्यक्रम रहे। इन कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को इलेक्ट्रॉनिक्स, पीसीबी डिज़ाइन, 5G, आईओटी एवं स्मार्ट होम तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रमों के दौरान देश-विदेश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा हार्डवेयर सुरक्षा, 5G कम्युनिकेशन, आईओटी सुरक्षा, वैज्ञानिक नीतियाँ, नेटवर्किंग प्रोटोकॉल, आरएफ संचार, आईओटी आर्किटेक्चर एवं स्मार्ट सिस्टम डिज़ाइन जैसे महत्वपूर्ण एवं समकालीन विषयों पर व्याख्यान दिए गए। इसके अलावा अन्य गतिविधियाँ भी इस आयोजन में शामिल रहीं जिसमें उल?लेखनीय रूप से 12 फरवरी को सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में एक दिवसीय कार्यशाला, 28 फरवरी को आईईटीई-पिलानी चैप्टर के साथ बीकेबीआईईटी-पिलानी में संयुक्त कार्यशाला के अलावा संस?थान के चेन्नई केंद्र में 9-13 मार्च के दौरान ईएसडीपी कार्यक्रम तथा 27 मार्च को बीकेबीआईईटी-पिलानी में रिसर्च पेपर राइटिंग मेथडॉलॉजी एनकॉम्पासिंग प्लैगियरिज़्म' विषय पर आईआईटी-बीएचयू के पूर्व प्रोफेसर डॉ बी एन बासु का आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया के संरक्षण में आयोजित इन कार्यक्रमों ने प्रतिभागियों की तकनीकी दक्षता एवं व्यावहारिक कौशल को सुदृढ़ करते हुए उन्हें स्टार्टअप, नवाचार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया। सीएसआईआर-सीरी, पिलानी की यह पहल भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक प्रयास सिद्ध होगी।

बीडीके अस्पताल में मेंटरिंग विजिट एवं आरसीएच समन्वय समिति की बैठक का आयोजन

एफसीएम इंजेक्शन, शिशु मृत्यु ,मातृ मृत्यु पर समीक्षा

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

अरुण मूंड । जिले के सबसे बड़े राजकीय भगवानदास खेतान अस्पताल में एसएनसीयू मेंटरिंग विजिट एवं आर सीएच समन्वय समिति में समीक्षा एवं बिंदूवार विश्लेषण किया गया। मेंटरिंग विजिट हेतू एसके अस्पताल के सहायक आचार्य डॉ विवेक अठवानी एवं वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी अजय शेखावत ने ओपीडी ,आईपीडी,एसएनसीयू ,आपरेशन? कक्ष की एसओपी, उपकरणों की? स्थिति, भर्ती मरीजों की संख्या,रैफर की संख्या ,नर्सिंग स्टाफ का आईसीयू के एस ओपी की पालना समेत सभी बिदूओ की जांच की गयी है। अस्पताल में 12 शिशु रोग विशेषज्ञ,8 रेजीडेन्ट चिकित्सक ,प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ के द्वारा मानिटारिंग से गंभीर रोगीयों में शीघ्र एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ हुआ है। मेंटरिंग टीम द्वारा अस्पताल की नवजात शिशु ईकाई के शीर्ष स्तर पर बने रहने की सराहना की गयी है। आरसीएच समन्वय समिति की बैठक में पीएमओ डा जितेंद्र भाम्बू,आरसीएचओ डा डीएन सिंह, आरएमओ डा सिदार्थ शर्मा ,डा विजय झाझडिया ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। आरसीएचओ डा डीएन सिंह ने एएनसी/पीएनसी में एनिमिया से ग्रसित महिलाओं को इंजेक्शन एफसीएम लगाने हेतू निर्देशित किया गया है। लाडो योजना एवं जेएसवाई शत प्रतिशत परिलाभ देने एवं एएनसी का आधार कार्ड केवाईसी करने हेतू संगणक सुभिता को निर्देशित किया गया । पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डा जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि बीडीके अस्पताल में जिलेभर के जटिल एवं गंभीर प्रसव की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। मातृ मृत्यु दर शून्य रही है। बीडीके अस्पताल में रैफर होकर आने वाले प्रसूता एवं नवजात शिशुओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। तथा बीडीके अस्पताल से उच्च सस्थानो में रैफर की संख्या नगण्य हुई है। शिशु मृत्यूदर एवं मातृ मृत्यु दर में काफी कमी आई है। जो बेहतर स्वास्थय सूचकांकों का संकेत है?। पीएमओ डा भाम्बू ने बताया कि शिशु की रूटीन केयर हेतू राज्य सरकार द्वारा निर्देश प्राप्त हुए हैं।जिसके तहत प्रत्येक नवजात शिशू की शिशु रोग विशेषज्ञ,नैत्र रोग विशेषज्ञ,ईएनटी विशेषज्ञ द्वारा जांच की जाएगी।तथा उक्त का रिकार्ड संधारण किया जाएगी। नवजात शिशु की जन्मजात विकृति समेत सभी बिंदुओं की जांच की जाएगी। इस दौरान डा सिद्दार्थ शर्मा,डा झाझडिया,विजय डा वीडी बाजियां,डा राजेश कुमार डूडी,डा सुरेश मील,डा नेमीचंद कुमावत,डा नयन झाझडियां , डा प्रियंका शैखसरिया ,डा मनीषा चौधरी,डा आकांक्षा गौड़,प्रदीप ऐचरा, सुमन मीणा,संतोष, सीमा समेत उपस्थित रहे

नीमराना में टोयडा गोसाई यूनो मिंडा का विशाल परकोलेशन टैंक उद्घाटन: जल संरक्षण और पर्यावरण को मिलेगा बड़ा बूस्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । राजस्थान - मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के द्वितीय चरण को सशक्त बनाने के लिए नीमराना रीको औद्योगिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी 'टोयडा गोसाई यूनो मिंडा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' ने ईश्वरीसिंहपुरा गांव में एक विशाल परकोलेशन टैंक (Percolation Tank) का निर्माण करवाया है। सोमवार को इस जलाशय का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर हयाशी शान, डिविजनल एचआर हेड हरीश कुमार, राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (नीमराना) से राहुल आजाद व राहुल डाबर, जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग से अशोक कुमार यादव तथा ईश्वरीसिंहपुरा गौशाला अध्यक्ष महंत फूलनाथ महाराज के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। उद्घाटन के अवसर पर एमडी हयाशी शान ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस जलाशय के निर्माण से न केवल वर्षा जल का संचयन होगा, बल्कि आसपास के पशु-पक्षियों और जंगली जानवरों के लिए पीने के पानी की स्थायी उपलब्धता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि पानी के संचयन से क्षेत्र में हरियाली बढ़ेगी और वातावरण शुद्ध होगा। ईश्वरीसिंहपुरा गौशाला के महंत फूलनाथ महाराज ने उपस्थित ग्रामीणों और कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने अपील की कि जलाशय बनने के बाद अब हर व्यक्ति अपने नाम से कम से कम पांच पेड़ जरूर लगाए। इससे पक्षियों को बसेरा मिलेगा और क्षेत्र में छाया रहेगी। साथ ही उन्होंने गौ-संरक्षण और गौ-सेवा पर भी जोर दिया। इस कार्यक्रम में टॉयडा गोसाई यूनो मिंडा कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और ईश्वरीसिंहपुरा गांव के बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने कंपनी के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के भू-जल स्तर को सुधारने में मील का पत्थर बताया।

नीमराना पंचायत समिति की मासिक बैठक सम्पन्न, समस्याओं का निवारण करने के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । पंचायत समिति नीमराना सभागार मेंनीराणा पंचायत समिति की मासिक बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर रहे। बैठक की अध्यक्षता प्रधान संतोष यादव ने की, जबकि पूर्व प्रधान बलवान सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में सभी पंचायत समिति सदस्य, ग्राम पंचायत से सरपंच, जिला शिक्षा अधिकारी कमलेश शर्मा, वीडियो नरेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश निर्मल, वेद प्रकाश खबरी, जिला परिषद पार्षद उपस्थित रहे। बैठक में उपखंड अधिकारी महेंद्र सिंह यादव, विकास अधिकारी नरेंद्र शर्मा, उप प्रधान सोनू चौहान, जिला पार्षद वेद प्रकाश खबरी, प्रेम बलबीर छिल्लर, तहसीलदार डॉ. विक्रम सिंह, तहसीलदार माढण अर्जुन सिंह एवं बाल विकास अधिकारी संतोष यादव, सीबीओ कमलेश यादव, बीसीएमओ डॉ. सुरेश यादव, विधुत विभाग गजेन्द्र यादव, कुशुम गोयल, रामवीर वर्मा, अजीत यादव, माया देवी, नीलम देवी, नीतू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर ने सभी जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्र में होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी ली और उन समस्याओं का तुरंत प्रभाव से 15 दिन के अंदर-अंदर निवारण करने के लिए आदेश दिया। बैठक में बिजली, पानी का मुद्दा छाया रहा, कहीं अतिक्रमण के मुद्दे भी बताए गए। जिला प्रमुख बालवीर छिल्लर ने सभी समस्याओं के निवारण के लिए आश्वस्त किया।

खटीक समाज के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बने विक्रम खटीक

बधाई देने वालों का लग रहा तांता

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा ।कस्बे में खटीक समाज द्वारा खटीक समाज युवा प्रकोष्ठ का नवनियुक्त अध्यक्ष विक्रम खटीक को बनाया गया है द्य खटीक समाज युवा प्रकोष्ठ का नवनियुक्त अध्यक्ष विक्रम खटीक को बनाए जाने पर कस्बे के कई लोगों ने उन्हें बधाई प्रेषित की है खटीक समाज के लोगों ने फूलमाला पहनाकर नवनियुक्त अध्यक्ष का स्वागत किया द्य इस दौरान सुरेश असवाल, गिरधारी लाल असवाल, हरिराम असवाल, मनोज दायमा, राजेंद्र दायमा, रंजीत दायमा, अशोक असवाल ,राहुल असवाल ,लालचंद असवाल, राम सिंह असवाल, गंगाधर असवाल ,प्रभु असवाल, मोहन असवाल, ओम प्रकाश असवाल, सुशील, संतलाल असवाल, पिंटू असवाल, ऋतिक असवाल ,रामकरण असवाल सहित खटीक समाज के कई लोग मौजूद रहें

उमरावगढ़ के बाबा खेतानाथ मंदिर में मासिक द्वादशी का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना

रमेशचंद । कस्बे के पास उमरावगढ़ स्थित बाबा खेतानाथ मंदिर, जोशीहोड़ा में सोमवार, 30 मार्च को मासिक द्वादशी पर्व मनाया गया। इस अवसर पर आश्रम परिसर में महंत शंकर नाथ महाराज के सानिध्य में सत्संग और भंडारे का आयोजन किया गया। बाबा खेतानाथ मंदिर के पुजारी बाबा सेवा नाथ महाराज ने कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिमा के समक्ष पूजा- अर्चना और भोग लगाकर किया। इसके बाद आयोजित सत्संग में साधु-संतों और क्षेत्रीय भजन मंडलियों ने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम का संचालन रामपाल कुमावत ने किया। इस अवसर पर ताराचंद महासी, अजय फौजी, किशोरीलाल जांगिड़, बिल्लूराम ईटकान, मदनलाल पंच, धनपत, हरिओम जांगिड़ एडवोकेट, कैलाश यादव, जगदीश प्रसाद बैघ, रामप्रताप यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस भव्य आयोजन ने उमरावगढ़ के बाबा खेतानाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भक्ति और एकता की भावना को प्रदर्शित किया, जिससे मासिक द्वादशी का पर्व यादगार बन गया। श्रद्धालुओं ने इस आयोजन को अपने जीवन का महत्वपूर्ण अनुभव बताया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की अपेक्षा जताई।

सहकारिता मंत्री को जिलाध्यक्ष ने सौपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान बहुउद्देशीय सहकारी समिति कर्मचारी यूनियन जयपुर जिला इकाई सीकर के अध्यक्ष दुर्गा सिंह सुंडा ने सीकर दौरे पर पधारे सहकारिता मंत्री को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा है। इस दौरान इन्होंने कहा की सहकारी समिति व्यवस्थापक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। सहकारी समिति कार्मिक विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर है, जिसमें इन्होंने ज्ञापन में बताया है कि प्रदेश की ग्राम सेवा सहकारी समितियां के कार्यरत कार्मिकों का जिला टेंडर बनाते हुए नियोक्ता निर्धारित किया जाए, सहकारी बैंक में ऋण पर्यवेक्षक के पद पर समिति व्यवस्थापकों से ही शत प्रतिशत नियुक्ति की जावें, 31 मार्च से पहले ग्राम सेवा सहकारी समितियां के नियुक्त कार्मिकों का नियमितिकरण किया जावें, प्रदेश ग्राम सेवा सहकारी समितियां के सेवा नियम 2022 में संशोधन करते हुए सेवा नियम कार्मिक विभाग द्वारा बनाया जाए, बैंकिंग सहायक 20' कोटा भर्ती प्रक्रिया जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों में बैंकिंग सहायक के पदों पर व्यवस्थापकों की भर्ती की जाए आदि मांगों को लेकर सहकारिता मंत्री को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द निराकरण करवाने की मांग की है। इस दौरान प्रेम सिंह बाजोर, गजानंद कुमावत बनवारी लाल सेवदा आदि भी मौजूद रहे?।

गोयनका स्कूल घस्सू लक्ष्मणगढ़ के 10वीं, 8वीं व 5वीं के विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

मोहनी देवी गोयनका स्कूल में कक्षा 10 का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा तथा कक्षा 8 एवं कक्षा 5 के अधिकांश विद्यार्थियों के ए ग्रेड प्राप्त करने पर विद्यालय परिवार द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 10, 8 एवं 5 के सभी छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को विद्यालय प्रांगण में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों का माला पहनाकर, तिलक लगाकर एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया गया तथा मिठाई खिलाकर उनकी सफलता का उत्सव मनाया गया। कक्षा 10 में अंशु सुरेश कुमार ने 94.33 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान, अनिशा शिवकुमार ने 92.33 प्रतिशत द्वितीय स्थान, आयुषी राजेश कुमार महला ने 86.57 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया 7 कक्षा 8 में 27 विद्यार्थियो में से 20 विद्यार्थियो ने ग्रेड तथा कक्षा 5 में 25 विद्यार्थियो में से 18 विद्यार्थियो ने ग्रेड प्राप्त कर विद्यालय परिवार का नाम रोशन किया 7 कार्यक्रम में स्थानीय परीक्षा परिणाम कक्षा 1,2,3,4,6,7,9,11 (कला एवं विज्ञान वर्ग) के विद्यार्थियो को भी सम्मानित किया गया 7 कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मदनलाल ढाका ने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया एवं विद्यार्थियो के उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

RPS जखराना में नए सत्र का शुभारंभ, टॉप विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.जखराना।

आर.पी.एस. स्कूल जखराना में रविवार को सत्र 2026-27 का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में सकारात्मक वातावरण के बीच विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों की उपस्थिति रही।कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों और अध्यापकों के बीच विद्यार्थियों की पढ़ाई और भविष्य को लेकर विचार-विमर्श भी किया गया। इसके साथ ही कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सभी विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों के साथ रिपोर्ट कार्ड भी प्राप्त किया।संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव एवं विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर की चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य योगेश यादव ने विद्यार्थियों को अच्छे अंक प्राप्त करने पर बधाई देते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मैनेजिंग डायरेक्टर एडवोकेट पीयूष यादव, डायरेक्टर डॉ. सुभाष सिंह, विद्या भारती पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर डॉ. रविन्द्रा यादव, पी.जी. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. लोकेश कुमार, आई.टी.आई. प्राचार्य सतीश कुमार, किड्स ब्लॉक इंचार्ज राधा चूग सहित संस्थान का समस्त स्टाफ, विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित रहें। कार्यक्रम उत्साह और गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ।

महात्मा गांधी राजकीय प्राथमिक विद्यालय लुमाश में बांधे परिंडे रखे चुग्गा पात्र , नियमित सेवा कार्य का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । निकटवर्ती ग्राम लुमास में महात्मा गांधी राजकीय प्राथमिक विद्यालय में आज पक्षियों के लिए दाना पानी के लिए परिंडे बांधे ओर चुग्गा पात्र रखे। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी व पक्षी मित्र संजय शर्मा ने गांव के स्कूल के स्टॉफ व बच्चों को बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाने के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी लोगो को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि पक्षियों की सेवा करना ही व्यक्ति का पहला कर्तव्य होता है। सेवा करनें से मन को तो शांति मिलती ही है,ओर सकारात्मक विचार आते है। हमे पर्यावरण और पक्षी मित्र बनकर रोज उनकी सेवा करनी चाहिए। स्कूल के प्रधानाचार्य कैलाश जांगिड़ ने भी अधिक से अधिक परिंडे लगाने का संकल्प लिया। इस दौरान सुमन,राजपाल, कैलाश शर्मा,अन्नू ,सुरजीत,प्रतिभा, रुचिका, सुनीला सहित सभी लोगों ने सहयोग करने की जिम्मेदारी ली।

नांगल सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक उत्सव का हुआ भव्य आयोजन

प्री-फाउंडेशन कोर्स का किया शुभारंभ

विद्यालय के छात्र छात्रों ने दी रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुतियां

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । निकटवर्ती नांगल गांव में सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने थीम आधारित रंगारंग प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यालय द्वारा प्री-फाउंडेशन कोर्स का अनावरण (लॉन्च) रहा, जिसे विद्यालय के निदेशक अजीत सिंह शेखावत ने औपचारिक रूप से लॉन्च किया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि यह कोर्स क्षेत्र में अपनी तरह की एकमात्र पहल है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए मजबूत आधार प्रदान करना है। साथ ही यह भी बताया गया कि इस प्री-फाउंडेशन कोर्स का एक प्रमुख उद्देश्य यह है कि बच्चों को उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए घर से दूर या बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। वे यहीं रहकर डॉक्टर, इंजीनियर और अधिकारी बनने का अपना सपना साकार कर सकेंगे, क्योंकि इसके लिए योग्य और अनुभवी फैकल्टी सीकर के जाने-माने रिजल्ट देने वाले संस्थानों से लाई गई है। वार्षिक उत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की भी सराहना की गई। अभिभावकों और अतिथियों ने बच्चों के प्रदर्शन की भूरी-भूरी प्रशंसा की और विद्यालय के इस नवाचारपूर्ण कदम की सराहना की। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के नवाचारों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

रिटायर्ड फौजी की हत्या से भड़का जनाक्रोश, हाईवे जाम के बाद प्रशासन सख्त–आरोपी के घर पर चला बुलडोजर

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा थाना क्षेत्र के बामनवास गांव में रविवार रात हुई एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को हिला दिया। मामूली कहासुनी के बाद गांव के ही एक युवक ने रिटायर्ड फौजी उदयवीर सिंह की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद न केवल गांव बल्कि आसपास के क्षेत्र में भी जबरदस्त आक्रोश फैल गया। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने दिल्ली-बीकानेर नेशनल हाईवे-11 जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया।घटना रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे की बताई जा रही है। उदयवीर सिंह, जो भारतीय सेना में हवलदार पद से वर्ष 2011 में सेवानिवृत्त हुए थे, अपने खेत से गांव स्थित दुकान की ओर जा रहे थे। रास्ते में उनकी मुलाकात गांव के युवक अकरम से हो गई। दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई। आरोप है कि अकरम अपने घर गया और वहां से चाकू लाकर उदयवीर सिंह पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसने उनके पेट में लगातार तीन वार किए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़े। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल उदयवीर को तुरंत चिड़ावा के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें उपजिला अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस ने तुरंत टीमें गठित कर दीं।

उदयवीर सिंह

हत्या की खबर फैलते ही गांव में शोक के साथ-साथ गुस्से का माहौल बन गया। सोमवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण बामनवास से करीब तीन किलोमीटर दूर लाखू के पास दिल्ली-बीकानेर नेशनल हाईवे पर बैठ गए। ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। हाईवे जाम होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों की मांग थी कि मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए, उनके बेटे को सरकारी नौकरी मिले, आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और गांव की गोचर भूमि से अवैध कब्जे हटाए जाएं। ग्रामीण जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई। हालात

बिगड़ते देख प्रशासन ने तुरंत व्यापक स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था की। बामनवास गांव को छावनी में तब्दील कर दिया गया, जहां नौ थानों की पुलिस और आरएसी का जाब्ता तैनात किया गया। चिड़ावा, सूरजगढ़, पिलानी, बुहाना, सिंघाना, खेतड़ी, खेतड़ीनगर, बग्गड़, मंडावा और झुंझुनूं थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। झुंझुनूं एएसपी फूलचंद, चिड़ावा डीएसपी विकास धींधवाल, बुहाना डीएसपी नोपाराम सहित कई वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए थे। तनाव के बीच प्रशासन ने दोपहर करीब 3:45 बजे सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपी अकरम के घर के अवैध हिस्से को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई, जिससे प्रशासन का सख्त रुख स्पष्ट रूप से सामने आया। इसके बाद प्रशासन और ग्रामीणों के बीच वार्ता हुई, जिसमें कई मांगों पर सहमति बनी और दोपहर करीब साढ़े तीन बजे ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया। इसके बाद हाईवे पर यातायात बहाल हो सकें। मृतक उदयवीर सिंह का परिवार इस घटना से पूरी तरह टूट गया है। उनकी पत्नी गृहिणी हैं, बेटा दिनेश दिल्ली में निजी नौकरी करता है, जबकि दो बेटियां जयपुर में नर्सिंग की पढ़ाई कर रही हैं। परिवार का मुख्य सहारा छिन जाने से घर में मातम पसरा हुआ है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी अकरम ने गांव की गोचर भूमि पर अवैध कब्जा कर दुकान बना रखी थी और इसी को लेकर पहले भी विवाद की स्थिति बनी हुई थी। पुलिस इस पहलू को भी जांच में शामिल कर रही है, ताकि हत्या के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। घटना की गंभीरता को देखते हुए कई जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और भरोसा दिलाया है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात रखा गया है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि मामूली विवाद किस तरह हिंसक रूप ले लेते हैं और समाज में बढ़ती ऐसी घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं।

कुएँ के ठाने में गिरे गौवंश को निकाला बाहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

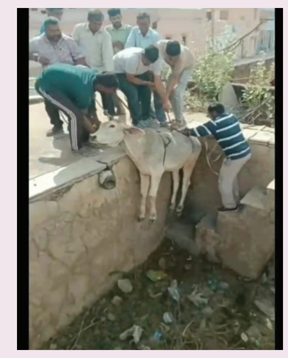

पवन कुमार शर्मा । मुकुंदगढ़ रोड स्थित रावणा राजपूत मंदिर के पास बने हुए कुएँ के ठाने में आज एक गौवंश गिर गया। जिसकी सूचना आस- पास के लोगों ने कामधेनु निराश्रित गौसेवा समिति के रविन्द्र शर्मा को दी। रविन्द्र शर्मा सूचना मिलने के तुरंत बाद अपनी गौसेवक टीम को लेकर वहां पहुचे और रस्सी की मदद से सकुशल बाहर निकाला।

राजस्थान उच्च शिक्षा-दीक्षा अब साल भर मिल सकेंगे अकादमिक अवकाश, सरकार ने हटाई 31 जनवरी की समय सीमा

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

राजस्थान के उच्च शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों के लिए एक बड़ी और उत्साहजनक खबर है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (उच्च शिक्षा) के निरंतर प्रयासों के बाद, राज्य सरकार ने शिक्षकों को सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं में शोध-पत्र वाचन हेतु दिए जाने वाले अकादमिक अवकाश (Academic Leave) पर लगी समय सीमा को समाप्त कर दिया है। अब शिक्षक वर्ष पर्यंत इन अवकाशों का लाभ उठा सकेंगे।

पूर्व में लागू नियमों के अनुसार, अकादमिक अवकाश केवल 31 जनवरी तक ही सीमित थे। इस प्रतिबंध के कारण फरवरी से जून के बीच आयोजित होने वाले महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में शिक्षक भाग नहीं ले पाते थे, जिससे उनकी शोध गतिविधियाँ प्रभावित हो रही थीं। महासंघ ने उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा को सौंपे गए ज्ञापन में तर्क दिया था कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के तहत अब सेमेस्टर प्रणाली लागू हो चुकी है। सेमेस्टर सिस्टम के कारण शैक्षणिक गतिविधियाँ अब पूरे वर्ष चलती हैं, अतः पुराने प्रतिबंध अब अप्रासंगिक हो चुके हैं। राज्य सरकार ने संगठन के इन तथ्यों और तर्कों से सहमति जताते हुए संशोधित आदेश जारी कर दिए हैं। प्रो. रिछपाल सिंह (प्रदेश महामंत्री) ने कहा कि यह निर्णय उच्च शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण सुधार की दिशा में मील का पत्थर है। इससे शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोध प्रस्तुत करने के अवसर मिलेंगे और संस्थानों की शैक्षणिक साख बढ़ेगी। प्रो. मनोज कुमार बहरवाल (प्रदेश अध्यक्ष) ने कहा कि सरकार का यह कदम शिक्षकों की शोध प्रवृत्ति और नवाचार को बल देगा। यह लंबे समय से लंबित मांग थी, जो अब पूरी हुई है। इससे NEP-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन में भी मदद मिलेगी। ' शिक्षण जगत में हर्ष- इस निर्णय से प्रदेश के हजारों कॉलेज शिक्षकों में खुशी की लहर है, क्योंकि अब वे शैक्षणिक सत्र के दूसरे भाग में भी बिना किसी बाधा के शोध गतिविधियों से जुड़ सकेंगे।

नवलगढ़ में 'रन ऑफ होप' का हुआ आयोजन तृतीय पोदार मिनि मैराथन में उमड़ा जनसैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । दी आनन्दीलाल पोदार ट्रस्ट के 105वें गौरवशाली यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित 'तृतीय पोदार मिनि मैराथन' से जन मानस उत्साहित हुए। इस साल के 'रन ऑफ होप' में 700 से अधिक धावकों ने हिस्सा लेकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का महत्व और खेल भावना का संदेश दिया। नवलगढ़ सी.आई. अजय सिंह, समाजसेवी श्रीकान्त मुरारका, बीरबल सिंह गोदारा निदेशक, सरस्वती स्कूल और गजानन्द सैनी प्रो एम सी मालू,सीओओ विकास पसरीचा,प्राचार्य डॉ सत्येन्द्र सिंह एवं अन्य पोदार शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यो ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया तथा सभी अतिथियों ने पोदार ट्रस्ट द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे सामाजिक और शैक्षणिक कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। मैराथन आयोजन के संयोजक डॉ विनोद कुमार सैनी ने बताया कि प्रतियोगिता के विभिन्न आयु वर्गों में कुल 3 केटेगरी में पुरुष एवं महिला वर्ग को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को क्रमशः 5100, 2100 एवं 1100 रुपये की नकद राशि, प्रतीक चिन्ह और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। पोदार कॉलेज प्राचार्य एवं निर्णायक समिति समन्वयक डॉ सत्येन्द्र सिंह ने बताया कि, '10-17 आयु वर्गः अभिषेक कुमार (पुरुष) और क्रिंजन (महिला) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

18-45 आयु वर्गः राहुल कटारिया (पुरुष) और टीना (महिला) अव्वल रहे।

45+ आयु वर्गः श्री ओमप्रकाश कानसुजिया (पुरुष) और राजश्री शर्मा (महिला) ने बाजी मारी।

प्रत्येक ग्रुप के तीन प्रतिभागियों एवं कुल 18 प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। 94 वर्षीय बुजुर्ग गुलाराम सुण्डा और दिव्यांग वर्ग में धर्मवीर सिंह के जज्बे ने सभी को प्रेरित किया जिन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम शिक्षा और खेल के क्षेत्र में नए नवाचारों को प्रदर्शित करता है। पोदार ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं फाउंडर कंगारू माइंड्स के डॉ. वेदिका पोदार ने मैराथन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि 'ऐसे आयोजन हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करते हैं। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक एम.डी. शानभाग ने आयोजन की भव्यता और अनुशासन की सराहना करते हुए पूरी टीम सभी विद्यार्थियों को सफल आयोजन की बधाई दी।

मंजरी देवी नथमल गाडोदिया विद्यालय में अभिभावक सम्मेलन आयोजित, परीक्षा परिणाम घोषित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुकुन्दगढ़।

कमल किशोर पंवार । स्थानीय शैक्षणिक संस्थान श्रीमती मंजरी देवी नथमल गाडोदिया माध्यमिक आदर्श विद्या मन्दिर में वार्षिक अभिभावक सम्मेलन और परीक्षा परिणाम वितरण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार भवर सिंह मीणा ने की, जबकि भूपेन्द्र वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का विद्यालय प्रबंधन द्वारा भव्य अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाई गई और तिलक लगाकर एवं दुपट्टा ओढ़ाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में किशन कुमावत, रामलाल सैनी, संजय सैनी, मनोज सैनी, राजू, सुशील और ऋषि मौजूद रहे। संस्था प्रधान दीनदयाल स्वामी ने आगामी सत्र के लिए महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि अप्रैल माह से विद्यालय में स्मार्ट कक्षाओं (LED) के माध्यम से अध्यापन कार्य करवाया जाएगा। आधुनिक तकनीक से जुड़ने के इस फैसले का अभिभावकों ने स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान वासुदेव और दीनदयाल स्वामी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को भविष्य के लिए प्रेरित किया। वहीं, रंजना और निर्मला ने बच्चों के शैक्षणिक मार्गदर्शन और सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ से राजेन्द्र कुमार, कमल शर्मा, सुमित कुमावत, रंजना सहल, पूजा कुमावत, कोमल वर्मा, स्नेहा, राजेश केडिया और सीताराम स्वामी सहित लगभग 75 अभिभावक उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन निर्मला वर्मा द्वारा किया गया। विद्यालय में अब पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ डिजिटल लर्निंग (LED आधारित) पर फोकस किया जाएगा, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी भी आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जुड़ सकें।

बीकानेर के ओम प्रकाश सैन को 'राजस्थान गौरव अवार्ड', जयपुर में हुए सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान दिवस के अवसर पर जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा आयोजित भव्य गौरव अवॉर्ड समारोह में बीकानेर जिला देहात कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष ओम प्रकाश सैन को 'राजस्थान गौरव अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें सामाजिक समरसता, संगठनात्मक कार्यों और समाज सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एस. एन. भार्गव मौजूद रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एच. सी. गणेशया ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. कुलदीप प्रसाद शर्मा, परमानंद झा और डॉ. जितेंद्र सिंह भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर बीकानेर से ओम प्रकाश सैन के साथ उनके सहयोगी घेवर सिंह भाटी (कांग्रेस मंडल अध्यक्ष, हदा) और कोलायत के उप प्रधान रेवत राम संवाल भी मौजूद रहे। समारोह के दौरान ओम प्रकाश सैन को मंच पर सम्मानित करते हुए अतिथियों ने उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की और समाज में समरसता स्थापित करने के उनके प्रयासों को प्रेरणादायक बताया। इस उपलब्धि पर बीकानेर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने ओम प्रकाश सैन को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

लोहिया पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में टॉपर विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

लोहिया पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चिड़ावा में सत्र 2025-26 के वार्षिक परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को मंच पर पुरूस्कार से सम्मानित किया गया।

विद्यालय चेयरमैन राम सिंह ने बताया कि इन विद्यार्थियों ने अपने-अपने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। समारोह मे शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्या प्रमिला झाझड़िया ने बताया कक्षा अनुसार प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी निम्न प्रकार हैं - कक्षा XI NEET- ज्योति, कक्षा XI JEE हिमांशु शर्मा, कक्षा XI SCI A- मिताली जांगिड़ 93%, कक्षा XI SCI A- साक्षी 93%, कक्षा XI SCI BIO- हैप्पी 93.2%, कक्षा XI ART A - नीलम 97.5%, कक्षा XI ART B - दीपक 92.5%, कक्षा XI COM - यशवीर सिंह 93.8%, कक्षा IXA - तन्वी 95.25%, कक्षा IX B - आकांक्षा 79.17%, कक्षा VII A - तनु 99.08%, कक्षा VII B - रिद्दि 98.08%, कक्षा VI - साक्षी 94.42%, कक्षा IV - प्रशांत सिंह 99%, कक्षा III - आकाश यादव 99.57%, कक्षा II - अंशु यादव 98.6%, कक्षा I - चेतना गुरावा 100%, कक्षा चत्र - विधिता 100% इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों को पुरुस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर निदेशक जगपाल सिंह यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, संस्था सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा, प्रिंसिपल प्रमोदिनी दुबे, गुलजार खान, पूरणमल गजराज, सुरेश यादव, सुरेश भालोठिया सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित अभिभावकों ने भी विद्यालय के इस प्रयास की सराहना की और विद्यार्थियों की सफलता पर खुशी व्यक्त की।

शेखावाटी विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह का रहा मुख्य आकर्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । नवलगढ़ विद्यालय कमेटी, कोलकाता द्वारा संचालित एस.एन. गर्ल्स बी.एड. कॉलेज की छात्राध्यापिकाओं ने शेखावाटी विश्वविद्यालय में आयोजित छठे दीक्षांत समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दो दिवसीय समारोह में समूह नृत्य, एकल नृत्य और एकल गायन जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की छात्राध्यापिकाओं ने समूह नृत्य प्रतियोगिता में 'ऑपरेशन सिन्दूर' थीम पर आधारित कार्यक्रम का जीवंत प्रस्तुतिकरण किया, जिसने सभी दर्शकों को आकर्षित किया और समारोह का मुख्य आकर्षण बन गया। इसके अतिरिक्त, एकल गायन में रितु सैनी और एकल नृत्य में माया सिंघारिया ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महाविद्यालय में इसी अवसर पर श्रीनवलगढ़ विद्यालय की 125वीं वर्षगांठ एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम भी सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में तृतीय सेमेस्टर की छात्राध्यापिका सरस्वती (पुत्री शंकरलाल गुर्जर) को वर्ष 2026 की सर्वश्रेष्ठ छात्राध्यापिका के रूप में तथा गुंजन कंवर (पुत्री मदन सिंह) को वर्ष 2026 के सावित्री बाई फुले अवार्ड से अलंकृत किया गया। सम्मान के रूप में उन्हें 1100 रुपये की प्रोत्साहन राशि, प्रशस्ति पत्र, पौधा और मोतियों की माला भेंट की गई। यह सम्मान उन्हें शैक्षणिक सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन, सह-शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी और महाविद्यालय में अन्य गतिविधियों में योगदान के आधार पर प्रदान किया गया।

न्यूयॉर्क में बनेगा 'राजस्थान भवन'

50 करोड़ की मदद से इंडो-यूएस फ्रेंडशिप सेंटर की घोषणा; राजस्थानी भाषा के लिए उठी मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (RANA) की ओर से न्यूयॉर्क में आयोजित 77वें राजस्थान दिवस और होली स्नेह मिलन समारोह में बड़ी घोषणा की गई। कार्यक्रम का आयोजन भारत के वाणिज्य दूतावास न्यूयॉर्क में किया गया। समारोह में इृह्व के अध्यक्ष प्रेम भंडारी ने बताया- संगठन के संस्थापक सदस्य और पूर्व अध्यक्ष के. के. मेहता और चंद्रा मेहता के मेहता फैमिली ट्रस्ट की ओर से 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 50 करोड़ रुपए) की प्रारंभिक राशि इंडो-यूएस फ्रेंडशिप सेंटर के निर्माण के लिए दी जाएगी। यह केंद्र न्यूयॉर्क में विकसित किया जाएगा, जिसमें राजस्थान भवन, योग और आयुर्वेद केंद्र, कन्वेंशन सेंटर और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सोशल सेंटर शामिल होंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की जिम्मेदारी भी मेहता परिवार ने प्रेम भंडारी को सौंपी है। इस पहल के पीछे एम्बेसडर बिनय के. प्रधान की महत्वपूर्ण भूमिका बताई गई, जिन्होंने पहले RANA दीप महोत्सव के दौरान इस विचार की नींव रखी थी। कार्यक्रम में प्रेम भंडारी ने राजस्थानी भाषा को भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने और राजस्थान में इसे द्वितीय भाषा का दर्जा देने की मांग भी उठाई। डॉ राज बंसल (फ्लोरिडा) को राजस्थान रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया। वायरल फीवर होने की वजह से वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। उनकी जगह डॉ. रेखा भंडारी ने अवॉर्ड ग्रहण किया। डॉ राज बंसल (फ्लोरिडा) को राजस्थान रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया। वायरल फीवर होने की वजह से वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। उनकी जगह डॉ. रेखा भंडारी ने अवॉर्ड ग्रहण किया। कोविड महामारी के समय के. के. मेहता ने न्यूयॉर्क स्थित अपने होटल में छात्रों के लिए 100 कमरे उपलब्ध कराए थे और वंदे भारत मिशन-2 के दौरान Air India की टीम की मेजबानी भी की थी।

नारायण ग्लोबल एकेडमी झझु में वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

नारायण ग्लोबल एकेडमी में 29 मार्च को वार्षिकोत्सव बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बिहारी लाल बिश्नोई (प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा), भंवर सिंह भाटी (पूर्व शिक्षा मंत्री), झवर लाल सेठिया प्रधान पंचायत समिति कोलायत, श्याम सिंह भाटी बरसलपुर, देवी सिंह भाटी पूर्व सरपंच कोलायत ,राजेश कुमार नायक उपखण्ड अधिकारी कोलायत, श्याम जी पंचरिया देहात जिलाध्यक्ष भाजपा, कोड़ा राम जी भादू, खिया राम सेन, मही राम जी दिलोईया, लखपत ,स्द्ध, आनंद मण्डल कोलायत, जगदीश सरपंच प्रतिनिधि जे डी मगरा, मोडा राम कड़ेला दियातारा, बर्जेश कुमार पंवार, किसना राम काँटीया, बलजीत बाजवा, सुरेंदर ढाका अन्तर्राष्ट्रीय तेराकी, रमन जी तेराकी समाजसेवी, रामावतार सेन कोज दिव्यांग, पना राम मास्टर झझु उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें नृत्य, नाटक, गीत एवं देशभक्ति कार्यक्रमों ने सभी उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

मुख्य अतिथि बिहारी लाल जी बिश्नोई ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों को अपनाने की प्रेरणा दी तथा विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। वहीं भंवर सिंह भाटी ने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही अभिभावकों एवं अतिथियों ने विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की।

अंत में विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया और कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

– नारायण ग्लोबल एकेडमी परिवार

जनसेवा के उद्देश्य से आमजन की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित हो : डीसी

डीसी डॉ. विवेक भारती की अध्यक्षता में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक सम्पन्न

12 में से 7 शिकायतों का मौके पर हुआ समाधान, 5 मामलों पर जांच के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

/रजत विजय रंगा । जनसेवा के उद्देश्य से आमजन की समस्याओं का निराकरण समयावधि में करना सुनिश्चित किया जाए। जनमानस से जुड़ी मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने में सभी अधिकारी सजगता से कार्य करें। यह निर्देश डीसी डॉ. विवेक भारती ने दिए। वे सोमवार को जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीपीआरसी हॉल में परिवादों की सुनवाई कर रहे थे। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित 12 जन शिकायतों एवं लंबित मामलों पर विस्तारपूर्वक सुनवाई की गई जिनमें से 7 परिवादों का मौके पर समाधान किया गया, जबकि 5 परिवाद को आगामी बैठक के लिए लंबित रखते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डीसी डॉ. भारती ने निर्देश दिए कि जन शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। डीसी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें तथा हर मामले में जिम्मेदारी तय कर निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आमजन को राहत देना प्रशासन का दायित्व है और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। जन परिवादों की सुनवाई के दौरान गांव बीघड़ निवासी करमचंद द्वारा खेत के बंद रास्ते की समस्या पर डीसी ने डीडीपीओ को पंचायत से समन्वय कर रास्ता खुलवाने के निर्देश दिए। वहीं नाढोडी गांव के श्यामसुंदर की पाइपलाइन संबंधी शिकायत को लंबित रखते हुए डीसी ने एसडीएम को मौके पर निरीक्षण कर रिपोर्ट देने को कहा। बैठक में जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने टोहाना वार्ड नंबर-2 में सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य 31 मई तक पूरा करने की जानकारी दी गई, जबकि गांव ढाबी निवासी राजेश कुमार द्वारा संतुष्टि पत्र प्रस्तुत किया गया। बड़ोपल निवासी श्यामसुंदर की शिकायत पर एक्सईएन सिंचाई को निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए। डीसी ने बैठक में बनमंदोरी निवासी मनीष कुमार के धोखाधड़ी मामले की जांच के लिए एसडीएम फतेहाबाद को निर्देश दिए। गांव चिन्दड़ निवासी झाबर सिंह की पेयजल समस्या पर नई पाइपलाइन बिछाने के लिए डीसी ने संबंधित अधिकारियों को आदेश जारी किए। बैठक में पुलिस द्वारा नीटू सैनी प्रकरण में कार्रवाई की अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। गौरखपुर निवासी सुरेंद्र की फर्जी डाकघर एफडी मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज होने की जानकारी दी। डीसी ने अगली बैठक में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। वहीं चुहड़पुर निवासी गुरलाल सिंह के मामले में बीडीपीओ को कानूनी कार्रवाई करने तथा पुलिस को निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डीसी ने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पाइपलाइन लीकेज व मरम्मत कार्य समय पर सुनिश्चित किया जाए। बैठक में एसपी सिद्धांत जैन, एडीसी अनुराग ढालिया, एसडीएम टोहाना आकाश शर्मा, एसडीएम फतेहाबाद राजेश कुमार, एसडीएम रतिया सुरेंद्र सिंह, आरटीए सचिव संजय बिश्नोई, सीईओ जिला परिषद सुरेश कुमार, डीडीपीओ अनूप सिंह, डीआरओ श्यामलाल, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शिक्षा, संस्कार और समर्पण की मिसाल: राजेश राणा का प्रेरणादायक जीवन सफर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के डीगरोता गांव से चलकर सिंघाना कस्बे में मां बनेश्वरी आर्य के शिक्षा विभाग सेवा के दौरान 24 मार्च 1966 को जन्मे राजेश राणा का जीवन संघर्ष, समर्पण और शिक्षा के प्रति अद्भुत प्रतिबद्धता की प्रेरक कहानी है। पिता सूरजभान सिंह और माता श्रीमती बनेश्वरी आर्य के सान्निध्य में जन्मे राणा को बचपन से ही शिक्षा और अनुशासन की मजबूत नींव मिली। उनकी माता स्वयं एक शिक्षिका थीं और बाद में राजस्थान शिक्षा विभाग से खेतड़ी में प्रिंसिपल पद से वर्ष 2006 में सेवानिवृत्त हुईं। मां के शिक्षण कार्य के कारण परिवार का जुड़ाव सिंघाना क्षेत्र से हुआ और यहीं पर उन्होंने अपना स्थायी निवास बना लिया। शिक्षा का वातावरण परिवार में इस कदर रचा-बसा था कि तीनों भाई-बहनों ने इसे अपना जीवन लक्ष्य बना लिया। राजेश राणा सबसे बड़े हैं, उनकी छोटी बहन रेनू सांखला हरियाणा उच्च शिक्षा विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं, जबकि दूसरी बहन मनीष राणा भी राजस्थान शिक्षा विभाग में प्रिंसिपल पद पर कार्यरत हैं। राजेश राणा की जीवन संगिनी पार्वती देवी भी शिक्षा विभाग में अध्यापिका हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पूरा परिवार शिक्षा सेवा को ही अपना धर्म मानता है। इसी शिक्षा समर्पण की विरासत को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2007 में, माता बनेश्वरी आर्य के सेवानिवृत्त होने के बाद, परिवार ने सिंघाना कस्बे में आर्य पीजी कॉलेज की स्थापना की। इस संस्थान ने हजारों विद्यार्थियों को कला, विज्ञान और वाणिज्य की शिक्षा प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।राजेश राणा का व्यक्तित्व केवल एक शिक्षक तक सीमित नहीं है, बल्कि वे एक उत्कृष्ट हेल्थ कोच और खेल प्रेमी भी हैं। अपने विद्यार्थी जीवन से लेकर सेवा काल तक उन्होंने जहां भी कार्य किया, वहां बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित किया और उन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय स्तर तक के खिलाड़ी तैयार किए। शिक्षा विभाग में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत केमिस्ट्री लैब असिस्टेंट के रूप में की, लेकिन अपनी मेहनत, लगन और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर वे प्रिंसिपल के पद तक पहुंचे। अब 60 वर्ष की आयु पूर्ण करते हुए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बसावट खुर्द से प्रिंसिपल पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनकी सेवानिवृत्ति केवल एक औपचारिक विदाई नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व के प्रति सम्मान है, जिसने शिक्षा, खेल और समाज सेवा के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। उनके सम्मान समारोह में शिक्षा, समाज सेवा और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर उनके योगदान की सराहना की।राजेश राणा की सोच हमेशा सकारात्मक और दूरदर्शी रही है। वे युवाओं को केवल किताबों तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। आज भी वे अपने कॉलेज के माध्यम से शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों में मार्गदर्शन देकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची सफलता पद या प्रतिष्ठा में नहीं, बल्कि समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में होती है। राजेश राणा जैसे व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणा स्तंभ हैं, जिनकी सृजनात्मक सोच, समर्पण और कर्मशीलता आने वाली पीढ़ियों को निरंतर मार्गदर्शन देती रहेगी।ऐसे प्रेरणादायक शिक्षाविद् का समाज हृदय से अभिनंदन करता है और उनके उज्ज्वल, सक्रिय एवं प्रेरक भविष्य की कामना करता है।

नागौरी तेलियान विकास समिति ने 'प्रतिभा सम्मान समारोह 2026' की तैयारियां शुरू की

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । नागौरी तेलियान विकास समिति, बीकानेर द्वारा समाज की शैक्षणिक एवं खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह 2026' की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस संबंध में मदरसा सबीसुस्लाम में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में समारोह की रूपरेखा तय की गई। बैठक की अध्यक्षता सय्यद ज़ाकिर हुसैन ने की।बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन संभावित रूप से अगस्त माह में भव्य रूप से किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल के रूप में हसनैन ट्रस्ट और नागौरी तेली भवन के नामों पर विचार किया जा रहा है, जिस पर अंतिम निर्णय आगामी बैठकों में लिया जाएगा।समिति ने इस बार सम्मान के दायरे को विस्तारित करते हुए केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित न रखकर व्यावसायिक शिक्षा और खेल क्षेत्र की प्रतिभाओं को भी शामिल करने का निर्णय लिया है। इसके तहत कक्षा 10वीं और 12वीं में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही दोनों कक्षाओं के टॉपर्स को विशेष स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करने का भी निर्णय लिया गया है। इसके अलावा व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में NEET और LLB जैसी परीक्षाओं में सफल अभ्यर्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा, जिससे समाज के युवाओं को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति प्रेरणा मिल सके। समिति के अमीर वली मोहम्मद गौरी ने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन, आवेदन प्रक्रिया तय करने और आधिकारिक तिथि की घोषणा के लिए अगली बैठक 26 अप्रैल को आयोजित की जाएगी, जिसमें आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक में नज़ीर मोहम्मद गौरी, वली मोहम्मद गौरी रज़वी 'वली', खै़रदीन राठौड़, सय्यद आफताब 'गोल्डी', सय्यद ताहिर, इस्माईल ख़लिजी, मोहम्मद हुसैन ख़लिजी, सय्यद वासिद अली, साजिद हुसैन गौरी, माजिद खान गौरी सहित समिति के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सभी सदस्यों ने एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

एसडीएम आकाश शर्मा ने समाधान शिविर में सुनीं जनसमस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना?।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिला एवं उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि आमजन को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

एसडीएम आकाश शर्मा ने सोमवार को आयोजित उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में उपस्थित नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। इस दौरान 2 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों को निस्तारण के लिए फॉरवर्ड किया गया। प्राप्त शिकायतों में एक परिवार पहचान पत्र से संबंधित और एक पेंशन से संबंधित शामिल रही। एसडीएम ने कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी पात्र नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो। विभिन्न विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि प्राप्त शिकायतों की गंभीरता से जांच कर निर्धारित समय-सीमा में समाधान किया जाए, ताकि किसी भी नागरिक को अनावश्यक परेशानी न हो। समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र आईडी में आय संबंधी संशोधन, नए सदस्यों का पंजीकरण, राशन कार्ड, बिजली विभाग एवं पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन सभी मामलों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे नागरिकों को शीघ्र राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर प्रशासन और नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का माध्यम है, जिसके माध्यम से विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जा रहा है। एसडीएम ने आमजन से आग्रह किया कि वे अपनी किसी भी समस्या के समाधान के लिए समाधान शिविर में उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जनता की समस्याएं सुनी जाती हैं।

ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत नशा मुक्त फतेहाबाद के लिए कड़े निर्देश

एसपी सिद्धांत जैन ने अभियान की प्रगति की सख्ती से समीक्षा की

'नशा उन्मूलन में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी' : एसपी सिद्धांत जैन

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत नशा मुक्त फतेहाबाद बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस की अध्यक्षता में पुलिस लाइन स्थित सभागार में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नशा मुक्ति टीमों, केयरटेकर्स, डीएसपी स्तर के अधिकारियों तथा संबंधित पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया ।बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन ने अभियान की प्रगति की सख्ती से समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान किसी भी स्थिति में औपचारिकता बनकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि धरातल पर इसके प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा उन्मूलन के कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही, निष्क्रियता या ढिलाई को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि नशा पीड़ित युवाओं को अपराधी नहीं बल्कि समाज के भटके हुए सदस्य के रूप में देखते हुए उन्हें प्रेमपूर्वक समझाकर, काउंसलिंग के माध्यम से तथा उचित उपचार उपलब्ध करवाकर इस नशे की दलदल से बाहर निकालना अभियान का मुख्य उद्देश्य है। साथ ही नशा तस्करी करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई कर नशे की सप्लाई चैन को पूरी तरह तोड़ना भी पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी केयरटेकर्स को निर्देश दिए कि वे अपने अलॉट किए गए नशा पीड़ित व्यक्तियों से प्रतिदिन बातचीत करें तथा सप्ताह में कम से कम दो बार व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनके स्वास्थ्य, व्यवहार और नशा छोड़ने की प्रगति की निगरानी करें। काउंसलिंग, उपचार और पुनर्वास की प्रक्रिया को गंभीरता से लागू किया जाए, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को नशे से मुक्त कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। पुलिस अधीक्षक ने जानकारी दी कि ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत जिले में नशा मुक्ति के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो नशा ग्रस्त व्यक्तियों से सीधे संपर्क स्थापित कर उनकी काउंसलिंग, उपचार एवं पुनर्वास की दिशा में कार्य कर रही हैं। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने, नशा तस्करों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई करने, नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने तथा जनसहयोग को अभियान से जोड़ने के सख्त निर्देश दिए ,बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि स्कूलों, कॉलेजों, गांवों एवं शहरी क्षेत्रों में लक्षित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जा सके और उन्हें इस बुराई से दूर रखा जा सके ।ऑपरेशन जीवन ज्योति अभियान के तहत पिछले एक माह के दौरान 258 नशा पीड़ित व्यक्तियों की काउंसलिंग कर उनका आयुर्वेदिक उपचार भी शुरू करवाया जा चुका है। पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन ने कहा कि नशा मुक्त फतेहाबाद जिला पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इस लक्ष्य की प्राप्ति तक अभियान को पूरी सख्ती, संवेदनशीलता और निरंतरता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

खेतड़ी में विवेकानंद क्रिकेट ट्रॉफी का समापन, पंचायत राज विभाग बना चैम्पियन

स्वामी विवेकानंद टूर्नामेंट में विजेता टीम पंचायत राज विभाग के खिलाड़ी व अतिथिगण

फाइनल में मीडिया टीम को हराकर जीता खिताब, 17 विभागों की भागीदारी से बढ़ा आपसी समन्वय

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

खेतड़ी नगर के नेहरू मैदान में आयोजित उपखंड स्तरीय इंटर डिपार्टमेंट विवेकानंद क्रिकेट ट्रॉफी टूर्नामेंट का सोमवार रात रोमांचक मुकाबले के साथ समापन हुआ। फाइनल मैच में पंचायत राज विभाग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मीडिया टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया, जबकि मीडिया टीम उपविजेता रही।उपखंड प्रशासन द्वारा विजेता पंचायत राज विभाग एवं उपविजेता मीडिया टीम को ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों और टीमों के उत्साह ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। यह प्रतियोगिता 23 मार्च से प्रारंभ होकर 30 मार्च तक चली, जिसमें खेतड़ी उपखंड स्तर की कुल 17 विभागीय टीमों ने भाग लिया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी-अपनी टीमों के साथ मैदान में उतरे और खेल के प्रति गहरी रुचि तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। फाइनल मुकाबले में मीडिया टीम ने पंचायत राज विभाग को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंततः पंचायत राज की टीम विजेता बनने में सफल रही। इस प्रतियोगिता ने विभागों के बीच आपसी तालमेल, भाईचारा और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया।

टूर्नामेंट में उपविजेता टीम मीडिया संघ के खिलाड़ीयों के साथ अतिथिगण

समापन अवसर पर उपखंड अधिकारी सुनील कुमार चौहान, डीवाईएसपी जुल्फिकार अली, तहसीलदार सुनील मील, केसीसी इकाई प्रमुख जीडी गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में डॉ. हरीश यादव, महेंद्र सैनी, सुभाष मीणा, महादेव प्रसाद, रोहिताश मणकस, हरिराम गुर्जर सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। टूर्नामेंट के दौरान अंपायरिंग कर रहे शारीरिक शिक्षक गौरीशंकर शर्मा एवं राजेंद्र कुमार की निष्पक्ष और बेहतरीन निर्णायक शैली की सभी ने सराहना की।व्यक्तिगत पुरस्कारों में पंचायत राज विभाग के संजय को 'मैन ऑफ द टूर्नामेंट' एवं 'बेस्ट बल्लेबाज' का खिताब मिला, जबकि विकास बडगूजर को फाइनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' और 'श्रेष्ठ गेंदबाज' का पुरस्कार दिया गया। इस सफल आयोजन ने न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच दिया, बल्कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय और सकारात्मक कार्य संस्कृति को भी मजबूत किया।

स्टोक्स मई के बाद कर सकेंगे वापसी, ट्रेनिंग सेशन में हुए घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पुष्टि की है कि गाल की हड्डी में चोट से जुड़ी दिक्कतों के कारण प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी मई तक टल गई है। 34 वर्षीय ऑलराउंडर जिन्हें फरवरी की शुरुआत में डरहम अकादमी के खिलाड़ियों के साथ एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान गेंद लग गई थी, ने एक हफ्ते बाद टूटी हुई गाल की हड्डी को ठीक करवाने के लिए सर्जरी करवाई थी। स्टोक्स ने असल में इस शुक्रवार को केंट के खिलाफ डरहम

के काउंटी चैंपियनशिप के शुरुआती मैच में वापसी करने की योजना बनाई थी। हालांकि क्लब अभी भी विशेषज्ञों से अंतिम मेडिकल मंजूरी का इंतजार कर रहा है। डरहम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने संकेत दिया कि स्टोक्स शायद 8 मई को वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ और फिर 15 मई को बेकेनहम में केंट के खिलाफ होने वाले मैचों तक नहीं खेल पाएंगे। अगर स्टोक्स तब तक वापसी नहीं कर पाते हैं, तो ये मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड के गर्मियों के पहले टेस्ट से पहले उनके लिए एकमात्र रेड-बॉल मैच हो सकते हैं; यह टेस्ट 4 जून से शुरू होगा। कैंपबेल ने इस चोट को एक 'बाल-बाल बचने' वाला मामला बताया। उन्होंने कहा, '(यह घटना) बहुत भयानक हो सकती थी। जितना आप सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा बुरा। बस कुछ सेंटीमीटर का फर्क, अगर गेंद थोड़ी अलग तरह से उनकी आंख पर लगती, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। गेंद बहुत जोर से लगी थी। हम बस खुशकिस्मत हैं कि वह इससे बच निकले।' इंग्लैंड के निराशाजनक एशेज अभियान के बाद से स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है; इस अभियान के दौरान उन्हें एडक्टर (जांघ की मांसपेशी) में चोट लग गई थी, जो उन्हें सिडनी में खेले गए टेस्ट मैच में लगी थी। सीरीज हारने के बावजूद स्टोक्स इंग्लैंड के कप्तान बने हुए हैं और कोच ब्रेंडन मैकुलम तथा मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की दोनों ही अपने-अपने पदों पर बने हुए हैं।

वांगसू ने 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' में जीता गोल्ड

रायपुर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश की 21 साल की वेटलिफ्टर अनाई वांगसू को पहले 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' 2026 में हिस्सा लेने से कुछ दिन पहले पेट की पुरानी समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। उन्हें कमजोरी दूर करने और ताकत पाने के लिए आईवी फ्लूइड्स (नसों के जरिए तरल पदार्थ) दिए गए। हालांकि, बीमारी भी उनका हौसला नहीं तोड़ सकी। छत्तीसगढ़ में महिलाओं के 58 किलो वर्ग में अनाई ने गोल्ड मेडल जीता है। अनाई वांगसू 2019 से पेट की समस्या से जूझ रही हैं, जिसमें अचानक कमजोरी, थकान और डिहाइड्रेशन हो जाता है। वेटलिफ्टिंग जैसे खेल में ताकत और संतुलन बहुत जरूरी होते हैं।

कोहली ने दमदार पारी पर दिया बयान

120% देना चाहता हूं

बंगलूरू, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम को जीत दिलाई। कोहली ने 38 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए। कोहली ने इस पारी के बाद कहा कि वह टीम के लिए 120 प्रतिशत देना चाहते हैं और बिना तैयारी के खेलने नहीं उतरते हैं।

लय में हैं कोहली

कोहली अब भारत के लिए सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं और टी20 में वह सिर्फ आईपीएल ही खेल रहे हैं। अपनी पारी को लेकर कोहली ने कहा, वापस यहां आकर अच्छा लग रहा है। आखिरी मैच मैने पिछले साल आईपीएल फाइनल खेला था, लेकिन हाल ही में वनडे सीरीज में जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे मुझे लय हासिल करने में मदद मिली। मैं वह शॉट्स नहीं खेल रहा था जो आम तौर पर नहीं खेलता। मुझे पता है कि मैं लय में हूं और मैने फिटनेस पर भी काफी मेहनत की है तो प्रदर्शन अच्छा ही रहेगा। हमारे पास अच्छी शुरुआत का मौका था और हमने वही किया।

ब्रेक से मिला फायदा

सिर्फ एक ही प्रारूप खेलने के बारे में पूछने पर कोहली ने कहा, पिछले 15 साल से जिस तरह का कार्यक्रम रहा है और हमने जितनी क्रिकेट खेली है, मेरे लिए तैयारी की कमी के बजाय जरूरत से ज्यादा खेलने की थकान का जोखिम अधिक रहा है। इसलिए इन ब्रेक से तरोताजा होकर लौटने में काफी मदद मिली। जब भी मैं खेलने आता हूं तो 120 प्रतिशत देने की कोशिश रहती है। कभी तैयारी के बिना नहीं आता। अतिरिक्त विश्राम से मुझे मानसिक रूप से तरोताजा होने में मदद मिली। अगर आप शारीरिक और मानसिक रूप से तरोताजा होकर खेलते हैं तो टीम के लिए योगदान दे सकते हैं और यही हर खिलाड़ी करना चाहता है।

देवदत्त पडिक्कल की 26 गेंद में 61 रन की पारी को शानदार बताते हुए कोहली ने कहा, मैं पावरप्ले में आक्रामक खेलना चाहता था लेकिन जब मैने पडिक्कल को इस तरह खेलते देखा तो उसे अधिक स्ट्राइक देने की कोशिश की। उसने एक बेहतरीन पारी खेलकर मैच सनराइजर्स की जद से बाहर कर दिया।

कोहली का बेस्ट आना अभी बाकी

• अंबाती रायडू ने दी विराट को बड़ी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के ओपनिंग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलते हुए विराट कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की। 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने नाबाद 69 रन की पारी खेलकर टीम को आसान जीत दिलाई। इस पारी के बाद एक बार फिर उनकी फॉर्म और फिटनेस को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इससे पहले भी वह दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में कई शतक लगा चुके हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायडू ने विराट कोहली को लेकर बड़ा बयान दिया है। रायडू का मानना है कि कोहली के अंदर अभी भी 5 से 6 साल का इंटरनेशनल क्रिकेट बाकी है। उन्होंने कहा कि कोहली की फिटनेस आज भी शानदार है और वह अभी खत्म नहीं हुए हैं। रायडू के अनुसार कोहली का बेस्ट अभी आना बाकी है और आईपीएलमें जो दिख रहा है वह सिर्फ एक ट्रेलर है।

टेस्ट क्रिकेट में वापसी और कप्तानी की सलाह

अंबाती रायडू ने यह भी कहा कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट में वापसी करनी चाहिए। कोहली को फिर से टेस्ट कप्तान बनाना चाहिए और उनकी जगह मौजूदा कप्तान को हटाने पर भी विचार करना चाहिए। रायडू का मानना है कि कप्तानी का नया चैलेंज कोहली को फिर से टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित कर सकता है।विराट कोहली ने अपने टेस्ट करियर में 123 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 9,230 रन बनाए, जिसमें 30 शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन के आंकड़े से सिर्फ 770 रन दूर रह गए थे। उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, जिससे फैंस काफी हैरान रह गए थे।

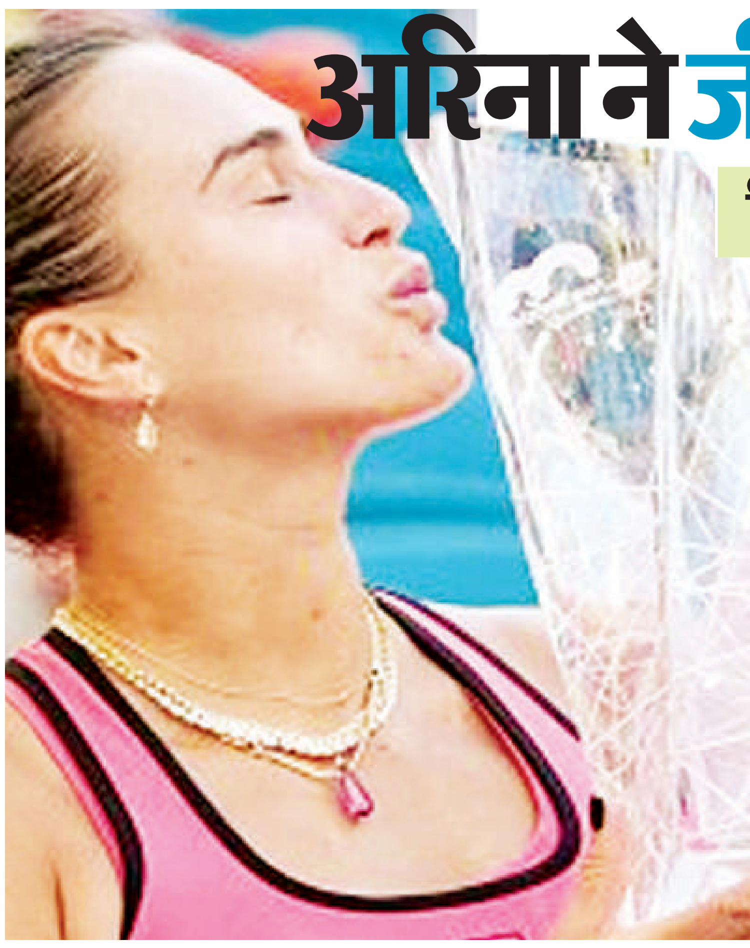

अरिना ने जीता मियामी ओपन खिताब

विश्व के चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को हराया

मियामी, एजेंसी। विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी अरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मियामी ओपन का खिताब बचा लिया है। सबालेंका ने फाइनल में कोको गॉफ को हराया।अरिना सबालेंका ने मियामी ओपन के खिताब को अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में विश्व के चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। इगा स्वियातेक के बाद सबालेंका 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। यह उनका लगातार दूसरा मियामी ओपन खिताब है। इससे पहले एश्ले बार्टी (2019 और 2021) और सेरेना विलियम्स (2013 से 2015) ही लगातार यह टूर्नामेंट जीत पाई थीं। इस तरह सबालेंका ने दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह बना ली है। सबालेंका एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी में सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं। सबालेंका से पहले स्टेफी ग्राफ, किम क्लिस्टर्स, विक्टोरिया अजारेंका और इगा स्वियाटेक यह कारनामा कर चुकी हैं। सबालेंका 2000 के बाद से चौथी खिलाड़ी हैं जो साल के अपने पहले चार टूर्नामेंट (मार्टिना हिंगिस, 2001, सेरेना विलियम्स, 2003, और विक्टोरिया अजारेंका, 2012) के फाइनल में पहुंची हैं। ये सभी टूर्नामेंट हार्ड कोर्ट पर हुए हैं। उन्होंने इनमें से तीन जीते, जिसमें ब्रिस्बेन और सनशाइन डबल शामिल हैं। खिताब जीतने के बाद सबालेंका ने कहा, यह खिताब काफी खास है। मेरा लक्ष्य हमेशा इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना रहा है और मैंने बस वही किया। यह सुनने में बहुत अजीब लगता है। मुझे नहीं पता कि मैं यह कैसे कर पाई, लेकिन अभी मुझे बहुत गर्व है। बेशक, इस खूबसूरत ट्रॉफी से बहुत खुश हूं।

नंबर पर स्थिति मजबूत की

यह जीत उनके करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब और कुल मिलाकर 30वां खिताब है जिसमें छह युगल खिताब भी शामिल हैं। इनमें चार ग्रैंडस्लैम एकल खिताब, दो डबल्स, 11 डब्ल्यूटीए 1000 सिंगल्स टाइटल और दो डबल्स खिताब शामिल हैं। सबालेंका लंबे समय से दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनी हुई हैं और अब उनकी यह स्थिति और मजबूत हो गई है। सबालेंका ने अब तक विश्व नंबर एक खिलाड़ी के रूप में कुल 83 हफ्ते बिताए हैं। इसमें उनका मौजूदा शानदार दौर भी शामिल है जो लगातार 75 हफ्तों तक पहुंच चुका है। सोमवार को वह लगातार 76वें हफ्ते के लिए नंबर एक बनी रहेंगी। इसके साथ ही वह इगा स्वियातेक के सबसे लंबे नंबर एक रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगी। हालांकि, उनसे आगे अभी एश्ले बार्टी हैं, जिन्होंने सितंबर 2019 से मार्च 2022 तक लगातार 114 हफ्तों तक नंबर 1 की कुर्सी संभाली थी।

स्प्लिट्सविला के कंटेस्टेंट्स को संभालना बच्चों को संभालने जैसा है

अभिनेता करण कुंद्रा इन दिनों लोकप्रिय भारतीय डेटिंग रियलिटी शो एमटीवी स्प्लिट्सविला के 16वें सीजन में नजर आ रहे हैं। इस शो में करण के साथ सनी लियोनी भी मेजबानी कर रही हैं। करण ने हाल में खास बातचीत में बताया कि शो में सनी लियोनी और उन्होंने इस शो को अच्छे से करने में पूरा और जान लगा दी है। उन्होंने कहा, 'हमने इस प्रोजेक्ट के लिए अपना दिल और जान सब लगाया है क्योंकि हमारे लिए शो में 32 कंटेस्टेंट्स को संभालना अपने बच्चों को संभालने के बराबर है। शो के दौरान हम उनकी भावनाओं से जुड़ते हैं और उनकी बात को अच्छे से समझाने की कोशिश करते हैं।' शो के दौरान करण कुंद्रा और सनी लियोनी कंटेस्टेंट्स के इमोशंस को बहुत ध्यान से हैंडल करते हैं। शो में प्यार, रिश्ते और चुनौतियों पर आधारित कई दिलचस्प टास्क होते हैं। दोनों होस्ट्स कंटेस्टेंट्स को सही सलाह देते हैं और उन्हें समझाते हैं कि जीवन में क्या सही है। अभिनेता ने इसे लेकर कहा कि जब मेरे और सनी के बच्चे बड़ें होंगे और वे पीछे मुड़कर देखेंगे कि उनके माता-पिता ने किस तह के प्रोजेक्ट पर काम किया है, तो वे हम पर गर्व करेंगे। करण ने कहा, 'जब हमारे बच्चे इस शो को पीछे मुड़कर देखेंगे और अपने माता-पिता को स्क्रीन पर देखेंगे, तो वे कहेंगे कि 'हमारे माता-पिता सच में बहुत कमाल के हैं।' '
एमटीवी 'स्प्लिट्सविला एक्स 6' एक डेटिंग रियलिटी शो है, जो एमटीवी इंडिया पर आता है। शो के अब तक 16 सीजन आ चुके हैं और इस शो को सनी लियोनी और करन कुंद्रा होस्ट कर रहे हैं। वहीं, उर्फी और निया भी नजर आ रही हैं। इनका काम प्रतियोगियों को चुनौती देना और खेल में बाधाएं डालना होगा। वे हर कदम पर प्रतियोगियों को उलझाएंगी और उन्हें अपने निर्णयों पर दोबारा सोचने के लिए मजबूर करेंगी। स्प्लिट्सविला एमटीवी चैनल और ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर प्रसारित हो रहा है।

एक्शन-कॉमेडी फिल्में करना चाहती हैं शालिनी पांडे, इन एक्टर्स को बताया अपना फेवरेट

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने अपने करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्मों और सीरीज में काम किया है। अब अभिनेत्री की इच्छा एक्शन फिल्म में काम करने की है। 'धुरंधर' को अपनी मौजूदा पसंदीदा फिल्म बताते हुए शालिनी ने इन दो कलाकारों को अपना फेवरेट बताया और काम करने की इच्छा जताई। एक्ट्रेस ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर भी बात की।

बातचीत में शालिनी पांडे ने कहा कि मैं इतनी महत्वाकांक्षी हूं कि मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ करना चाहती हूं। मैंने जीवन भर खेल खेले हैं और मुझे खेल बहुत पसंद हैं, इसलिए मुझे लगता है कि मैं एक एक्शन फिल्म में काम करना चाहूंगी। मुझे एक्शन पसंद है। मुझे इसका रोमांच बहुत अच्छा लगता है। इसलिए एक्शन ही वह चीज है जो मैं करना चाहती हूं।

कंफर्ट जोन से बाहर आकर काम करना चाहती हैं शालिनी

अभिनेत्री ने आगे कॉमेडी जॉनर को लेकर कहा कि कॉमेडी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे मैं पूरी तरह से एक्सप्लोर करना चाहती हूं क्योंकि एक दर्शक के रूप में मुझे ये चीजें पसंद आती हैं। मुझे लगता है कि एक्शन और कॉमेडी दोनों ही तरह के रोल मुझे पसंद हैं। मैं ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हूं जो एक एक्टर के रूप में मुझे प्रेरित करें, जो मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए प्रेरित करें। ऐसा नहीं है कि मैं जहां भी हूं वहां बहुत सहज होने की कोशिश नहीं करती, लेकिन एक एक्टर के रूप में मैं खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां मेरा विकास बिल्कुल न हो रहा हो।

ऋतिक और रणवीर को बताया अपना फेवरेट एक्टर

किस तरह के कलाकार के साथ काम करने के सवाल पर शालिनी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका मिले जो मेरा पूरक हो और मैं उस व्यक्ति का पूरक बन सकूं। वहीं एक्टर को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे सबसे पहले रणवीर सिंह एक अभिनेता के रूप में बहुत पसंद हैं। मैंने 'धुरंधर' देखी है, जो मेरी हाल की पसंदीदा फिल्मों में से एक है, इसलिए मुझे लगता है कि वह हर तरह की भूमिका में अच्छे हो सकते हैं।

आखिरी बार इस सीरीज में नजर आई थीं शालिनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शालिनी ने बॉलीवुड में डेब्यू रणवीर सिंह के ही साथ किया। 2022 में रणवीर के साथ फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा है। वो आखिरी बार इसी साल आई फिल्म 'राहु केतु' और सीरीज 'बैंडवाले' में नजर आई हैं।

अक्षय कुमार ने 26 साल छोटी वामिका के साथ रोमांस करने की आलोचनाओं पर दिया जवाब

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में है। फिल्म की पूरी टीम प्रमोशन में जुटी हुई है। हाल ही में फिल्म का एक रोमांटिक सॉन्ग रिलीज किया गया, जिसमें अक्षय कुमार वामिका गब्बी के साथ नजर आ रहे हैं। अब 58 साल के अक्षय कुमार और 32 साल की वामिका गब्बी के बीच 26 साल उम्र का फासला होने को लेकर एक बहस छिड़ गई है। कई लोगों ने 26 साल छोटी वामिका के साथ रोमांस करने पर अक्षय कुमार की आलोचना की। अब अक्षय कुमार ने इन आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया दी है।

हमने पहले भी ऐसा देखा है

बातचीत के दौरान जब अक्षय से इन आलोचनाओं को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'तो क्या है? हमने पहले कभी देखा नहीं है क्या? हॉलीवुड में भी ऐसा होता है। कभी-कभी स्क्रिप्ट की जरूरत होती है। वास्तविक जीवन में भी बहुत से लोग अपने से बड़े या छोटे जीवनसाथी से शादी करते हैं।'

एक्टर की असल उम्र और फिल्मी उम्र में होता है अंतर

'भूत बंगला' के निर्देशक प्रियदर्शन ने भी इस मामले पर अपनी राय देते हुए कहा कि एमजीआर और एनटीआर जैसे लोग अक्सर कहते थे कि वास्तविक उम्र और फिल्मी

उम्र में बहुत अंतर होता है। किसी अभिनेता की फिल्मी उम्र उसकी असली उम्र को नहीं दर्शाती। लोग अभिनेताओं को उनकी फिल्मी उम्र के साथ भी स्वीकार करते हैं और उन्हें इसमें कोई परेशानी भी नहीं है। शूटिंग के दौरान हो सकता है कि लोग किसी जोड़ी को देखें और महसूस करें कि वे सही नहीं हैं। यह फैसला उनकी उम्र के अंतर से जुड़ा नहीं हो सकता है। प्रियदर्शन ने आगे कहा कि जब मैं अक्षय या तब्बू के साथ शूटिंग करता हूं, तो मुझे उन्हें देखने में कभी कोई दिक्कत नहीं होती। जब दर्शक फिल्म देखते हैं, तो मुझे पता चलता है कि उन्हें भी कोई दिक्कत नहीं होती। ऐसा उनके किरदारों और फिल्म में उनकी उम्र के कारण है।

ओबीसी कैटेगरी से बाहर करें मुसलमानों को... बीजेपी सांसद के लक्ष्मण की मांग पर राज्यसभा में हंगामा

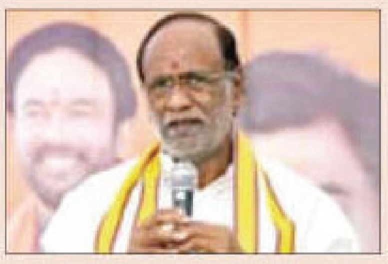

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों में सोमवार को खूब गहमागहमी देखने को मिली। राज्यसभा में सोमवार को बीजेपी सांसद के लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग उठा दी। जिस पर ऊपरी सदन में खूब हंगामा मच गया। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। राज्यसभा में बीजेपी सांसद लक्ष्मण ने मुसलमानों को ओबीसी कैटेगरी से बाहर करने की मांग की, जिसके बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया। उधर लोकसभा में भी भारी हंगामे के चलते कार्यवाही 12:30 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। राज्यसभा में सोमवार को उस वक्त माहौल गरमा गया जब बीजू जनता दल के सांसदों ने विरोध स्वरूप राज्यसभा से वॉकआउट किया। यह विरोध निशिकांत दुबे द्वारा ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक पर की गई कथित विवादित टिप्पणी के खिलाफ किया। बीजेडी सांसदों के नेता सास्मित पात्रा ने कहा कि दुबे ने बीजू पटनायक को 'सीआईए एजेंट' बताया, जो न केवल अपमानजनक है बल्कि सम्मानित नेता की छवि को ठेस पहुंचाने वाला बयान है। इस मामले को लेकर बीजेडी के सभी सांसदों ने एकजुट होकर राज्यसभा से वॉकआउट कर सदन के बाहर अपना विरोध दर्ज कराया। यह विरोध केवल सदन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे पहले सांसद पात्रा ने एक और बड़ा कदम उठाकर संसदीय स्थायी समिति (आईटी) से इस्तीफा भी दे दिया था, जिसकी अध्यक्षता दुबे कर रहे हैं।

पंजाब में अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत, पांच घायल

बठिंडा (एजेंसी)। बठिंडा-डबवाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मचाना गांव के पास पेट्रोल पंप के नजदीक कार से सामने की टक्कर में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई जबकि तीन महिलाओं समेत 5 गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बठिंडा के एम्स में भर्ती कराया गया है। वहीं एक अन्य हादसे में जगराते से लौटते समय कार टैंपो ट्रैवलर से टकरा गई। इस हादसे में मां-बेटा व पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है, जिसे हरियाणा के अस्पताल में भर्ती कराया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मल्लवाला निवासी स्वर्णजीत सिंह, विक्की सिंह और गुरुसर सैनेवाला निवासी प्रेम सिंह जस्सी बागवाली गांव में दर्शन कर लौट रहे थे। तभी उन्होंने बाइक को भारत माला रोड के गलत साइड पर मोड़ दिया सामने आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीनों युवक घायल हो गए। वहीं कार में सवार तीन महिलाओं समेत पांच लोग घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां बाइक सवार तीनों युवकों की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस मृतकों के परिजनों के बयानों पर कार चालक के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। वहीं दूसरे हादसे में मां-बेटा और पोते की मौत हो गई, जबकि बेटी घायल है। पोते के जन्म की खुशी में परिवार ने एक दिन पहले प्रार्थना सभा आयोजित की थी, लेकिन अगले दिन घर में मातम छा गया। अमर (22) और उसकी माता निर्मला देवी (50) अपनी बेटी के ससुराल में पोते के जन्म की खुशी में आयोजित जगराते में शामिल होने हरियाणा गए थे। जगराते के बाद जब माता-पिता पक्का कलां गांव लौटने लगे तो उनकी बेटी और पोता भी उनके साथ चले गए। फतेहाबाद के पास उनकी कार की टैम्पो ट्रैवलर से टक्कर हो गई जिसमें तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

देशभर में बम की धमकी से दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार, 1100 ई-मेल भेजकर मचाया था हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली समेत देश के विभिन्न राज्यों में स्कूलों, उच्च न्यायालयों और सरकारी कार्यालयों को बम से उड़ाने की झूठी धमकी देकर सनसनी फैलाने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत कर्नाटक के मैसूर से 47 वर्षीय श्रीनिवास लुईस को दबोचा है। आरोपी की गिरफ्तारी कर्नाटक पुलिस के सहयोग से मैसूर के वृंदावन लेआउट स्थित एक मकान से की गई है। पुलिस ने मौके से एक लैपटॉप और कई सिम कार्ड बरामद किए हैं, जिनका उपयोग धमकियां भेजने के लिए किया जा रहा था। आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश करने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया जा रहा है, जहाँ उससे गहन पूछताछ की जाएगी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अनुसार, आरोपी श्रीनिवास लुईस ने अब तक लगभग 1,100 धमकी भरे ई-मेल भेजने की बात कबूल की है। वह अपनी पहचान छिपाने के लिए अलग-अलग तकनीकी तरीकों और सिम कार्डों का इस्तेमाल करता था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने दिल्ली हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश को भी व्यक्तिगत रूप से धमकी भरा ई-मेल भेजा था, जिसके बाद मामला दर्ज कर तकनीकी पड़ताल शुरू की गई थी। हफ्तों तक चली इस जांच के बाद पुलिस आरोपी के ठिकाने तक पहुँचने में सफल रही। पुलिस जांच में आरोपी की पृष्ठभूमि को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मूल रूप से बेंगलुरु का रहने वाला श्रीनिवास पोस्टग्रेजुएट है, लेकिन वर्तमान में उसके पास कोई रोजगार नहीं है। वह अपनी बुजुर्ग मां के साथ रहता है, जो एक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी हैं और घर का खर्च उनकी पेंशन से ही चलता है। शुरुआती जांच में पुलिस को संदेह है कि आरोपी गंभीर मानसिक तनाव से जूझ रहा था और संभवतः इसी हताशा में उसने इस तरह के कृत्यों को अंजाम दिया। पुलिस का मानना है कि उसने जान-बूझकर अदालतों और स्कूलों जैसे संवेदनशील संस्थानों को निशाना बनाया ताकि बड़े पैमाने पर दहशत पैदा की जा सके। श्रीनिवास की इन झूठी धमकियों की वजह से पिछले कुछ समय में सुरक्षा एजेंसियों को भारी मशक्कत करनी पड़ी। कई बार स्कूलों और कार्यालयों को आनन-फानन में खाली कराना पड़ा, जिससे सामान्य कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ और जनता के बीच डर का माहौल बना रहा। अब दिल्ली पुलिस इस बात की तफ्तीश कर रही है कि क्या इस साजिश में कोई और भी शामिल था या श्रीनिवास ने अकेले ही इन वारदातों को अंजाम दिया।

राज्यसभा से हो रही दिग्गी राजा की विदाई.... लेकिन सियासी गलियारों में अगले कदम पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सियासी गलियारे में दिग्गी राजा के नाम से मशहूर दिग्विजय सिंह की राज्यसभा की पारी अगले महीने समाप्त होने वाली है। लेकिन सियासी हलकों में बड़ा सवाल यही है कि राज्यसभा से विदाई के बाद वे क्या करने वाले है।

मध्य प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव रहे दिग्विजय कांग्रेस पार्टी के अहम सिपहसालार तथा रणनीतिकार की भूमिका में रहे हैं। वे भले ही 79 साल की उम्र में प्रवेश कर चुके हैं, लेकिन अनुशासित जीवनशैली ने उन्हें आज भी पूरी तरह से चुस्त और तंदुरुस्त बनाए रखा है। दिग्गी राजा के बेटे जयवर्द्धन सिंह मध्य प्रदेश की राजनीति में जड़ें जमा चुके हैं। इसके बाद अपने गृह प्रदेश में उनके लिए गुंजाइश थोड़ी कम हो गई है। राष्ट्रीय राजनीति में भी दिग्विजय के लायक कोई ओहदा खाली दिखाई नहीं दे रहा।

बात दें कि सितंबर-अक्टूबर 2022 को पार्टी हाईकमान के खिलाफ अशोक गेहलोत की अप्रत्याशित बगावत ने दिग्विजय के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति का 88वां अध्यक्ष बनने की राह अचानक से खोल दी थी। तब उन्हें राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को छोड़कर आनन-फानन में दिल्ली आना पड़ा था। यह सियासी विडंबना ही थी कि दिग्विजय ने जिस वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे से आशीर्वाद मांगा, कुछ घंटों बाद वे अध्यक्ष पद के लिए उन्हीं के नाम का अनुमोदन करते दिखाई दिए।

अनौपचारिक वार्ताओं में राहुल गांधी को यह मशविरा दिया गया है कि बहुसंख्यक समुदाय के बीच पार्टी की पैठ बनाने के लिए दिग्विजय की सेवाओं का इस्तेमाल विभिन्न साधु-संतों, गुरुओं और हिंदू धर्माचार्यों को जोड़ने वाले एक सेतु के रूप में हो सकता है।

दिग्विजय भगवा पार्टियों के 'हिंदुत्व' का विरोध कर स्वयं को सनातन धर्म का मुखर समर्थक बताते हैं। वे 'सच्चे हिंदुत्व' को परिभाषित करने के मसले पर कई बार भाजपा, आरएसएस, विहिप और अन्य हिंदूवादी संगठनों को 'शास्त्रार्थ' की चुनौती दे चुके हैं। उनका कहना है कि जो भी 'सर्वधर्म समभाव' में विश्वास नहीं रखता, वह सनातन धर्म का सच्चा अनुयायी नहीं हो सकता। उनके मुताबिक, हमारा सबसे पवित्र ग्रंथ श्रीमद्भगवद्गीता है, न कि मनुस्मृति है। इस सप्ताह रामनवमी पर भी दिग्विजय अयोध्या में दिखाई दिए थे। इस मौके पर उन्होंने भाजपा पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि वे न धर्म की राजनीति करते हैं और न धर्म का राजनीति के लिए दुरुपयोग करते हैं।

एक दिलचस्प बात यह है कि दिग्विजय को उनके गृहनगर राघोगढ़ में 'हिंदूपति' यानी धर्म का रक्षक कहा जाता है। यह उपाधि महान योद्धा पृथ्वीराज चौहान के दौर से जुड़ी है, जिनके वंशज होने का दावा उनका परिवार करता है। पार्टी के अनेक नेताओं का कहना है कि अगर राहुल गांधी दिग्विजय सिंह के पुराने रिकॉर्ड को निकलने पर कई काम सामने आएंगे, जो आज की राजनीति में उन्हें और भी प्रासंगिक ठहराते हैं। फरवरी 2002 का 'दिघोरी सम्मेलन' इसकी सबसे बड़ी मिसाल है, जिसका मकसद राम जन्मभूमि आंदोलन पर विश्व हिंदू परिषद के एकाधिकार को ध्वस्त करना था। दिग्विजय, जो तब मप्र के मुख्यमंत्री थे, ने अपने गुरु स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती की मदद से कांची कामकोटि पीठ के सम्मानित शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती और पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती को एक मंच पर लाने का कारनामा किया था। इन लोगों ने मिलकर स्वामी स्वरूपानंद की अगुवाई में एक 'रामालय ट्रस्ट' का गठन किया था। उन्होंने इसके बाद राम मंदिर निर्माण का जिम्मा विहिप के बजाय इस ट्रस्ट को सौंपे जाने का दावा किया था। तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी दिघोरी में इन तीन शंकराचार्यों के साथ मंच साझा किया था। सोनिया के इस रुख से तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी काफी असहज हो गए थे। राम मंदिर के मुद्दे पर शंकराचार्यों के साथ सोनिया की नजदीकी पर वाजपेयी ने संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। उन्होंने सवाल उठाया था कि जब सोनिया शंकराचार्यों के सामने नतमस्तक हो सकती हैं, तब विहिप के संतों से बातचीत करने के लिए उनकी आलोचना क्यों की जा रही है? वाजपेयी ने चुटकी लेकर कहा था, 'अगर वे शंकराचार्य का आशीर्वाद ले सकती हैं, तब मुझे महंत रामचंद्र परमहंस का आशीर्वाद लेने से वंचित क्यों किया जाना चाहिए?'

कांग्रेस सांसद प्रशांत पडोले सड़क हादसे में बाल-बाल बचे, कार के एयरबैग न खुलने पर उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के भंडारा-गोंदिया क्षेत्र से कांग्रेस सांसद डॉ. प्रशांत पडोले सोमवार सुबह एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब वे अपने निजी वाहन से भंडारा से नागपुर एयरपोर्ट के लिए निकले थे। सांसद को दिल्ली में आयोजित संसद सत्र में शामिल होने के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन रास्ते में ही एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत यह रही कि इस भीषण टक्कर के बावजूद सांसद और उनके ड्राइवर को कोई गंभीर चोट नहीं आई, हालांकि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। दुर्घटना के तुरंत बाद सांसद डॉ. प्रशांत पडोले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इस घटना की जानकारी साझा की। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को टैग करते हुए देश में सड़क सुरक्षा और वाहनों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, सांसद सुरक्षित नहीं, तो जनता का क्या होगा? उन्होंने विशेष रूप से कार की सुरक्षा प्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इतनी जोरदार टक्कर के बाद भी वाहन के एयरबैग नहीं खुले। उन्होंने सरकार से मांग की कि वाहन निर्माता कंपनियों को सख्त आदेश दिए जाने चाहिए ताकि दुर्घटना के समय सुरक्षा उपकरण सही ढंग से काम करें। हादसे के बाद सांसद ने गजब की कर्तव्यनिष्ठा और जीवटता का परिचय दिया। मामूली चोटों और कार के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद उन्होंने अपना दिल्ली दौरा रद्द नहीं किया। प्राथमिक उपचार के बाद, उन्होंने एक दोपहिया वाहन से लिफ्ट ली और नागपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे संसद सत्र में शामिल होने के लिए दिल्ली के लिए रवाना हो गए। उनके समर्थकों और स्थानीय नागरिकों ने उनकी इस सक्रियता की सराहना की है, लेकिन साथ ही बार-बार हो रहे हादसों पर चिंता भी जताई है। उल्लेखनीय है कि डॉ. प्रशांत पडोले के साथ यह दूसरी बड़ी सड़क दुर्घटना है। इससे पहले सितंबर 2025 में भी वे एक सड़क हादसे का शिकार हुए थे। उस समय वे मुंबई से भंडारा लौट रहे थे, तभी सुबह के वक्त नागपुर बायपास के पास उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। पिछले साल हुए उस हादसे में भी वे और उनके ड्राइवर बाल-बाल बचे थे। एक साल के भीतर दूसरी बार हुए इस हादसे ने सुरक्षा मानकों और व्यस्त राजमार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और टक्कर मारने वाले ट्रक की पहचान की कोशिश की जा रही है।

एआईएमआईएम नेता जामई पर मृतकों के नाम पर चंदा जुटाने का आरोप: पुलिस में शिकायत दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जामई एक गंभीर विवाद में फंस गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने हत्या के मामलों में जान गंवाने वाले युवकों के परिवारों की त्रासदी का फायदा उठाकर सोशल मीडिया के जरिए लाखों रुपये का चंदा इकट्ठा किया, लेकिन यह राशि पीड़ित परिवारों तक नहीं पहुंचाई गई। इस मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है और दिल्ली पुलिस के पास दो अलग-अलग परिवारों ने गंभीर शिकायतें दर्ज कराई हैं।

विवाद की शुरुआत 7 मार्च को चांदनी चौक के स्क्रैप कारोबारी मोहम्मद अरीब की हत्या के बाद हुई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद शोएब जामई संवेदना व्यक्त करने उनके घर पहुंचे और वहां एक वीडियो रिकॉर्ड किया। बाद में इस वीडियो को उनके आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से एक क्यूआर कोड के साथ पोस्ट किया गया। अरीब के भाई मोहम्मद अदीब ने डीसीपी को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि यह क्यूआर कोड 'सादिया फातिमा' नामक किसी अज्ञात महिला के नाम पर था, जिससे परिवार का कोई संबंध नहीं है। अदीब का दावा है कि इस माध्यम से लगभग 7 से 8 लाख रुपये जुटाए गए, जबकि परिवार को कोई आर्थिक मदद नहीं मिली। जब परिवार ने आपत्ति जताई, तो उन्हें बताया गया कि यह आईटी टीम की तकनीकी गलती थी और केवल मामूली रकम ही जमा हुई है।

इसी तरह का एक और मामला मानसरोवर पार्क इलाके से सामने आया है। सिराजुद्दीन अंसारी नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि नवंबर 2025 में उनके नाबालिग बेटे की हत्या के बाद भी इसी तरह का चंदा अभियान चलाया गया था। अंसारी का आरोप है कि शोएब जामई ने उनके बेटे के नाम और वीडियो का इस्तेमाल कर सादिया फातिमा के क्यूआर कोड के जरिए पैसे जुटाए, लेकिन उन्हें फूटी कौड़ी भी नहीं दी गई। अंसारी ने स्पष्ट किया कि वे अपने बेटे के नाम पर किसी भी तरह का अवैध फंड इकट्ठा करने के खिलाफ हैं। इन आरोपों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है, क्योंकि जामई को पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का करीबी माना जाता है। दूसरी ओर, शोएब जामई ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक राजनीतिक साजिश करार दिया है। उनका दावा है कि विपक्षी दलों से जुड़े लोग और पार्टी के कुछ पूर्व सदस्य एआईएमआईएम की छवि खराब करने के लिए पीड़ित परिवारों को गुमराह कर रहे हैं। जामई का कहना है कि उन्होंने अपने बैंक स्टेटमेंट और साक्ष्य जांच एजेंसियों को सौंप दिए हैं। फिलहाल, पुलिस इस पूरे वित्तीय लेनदेन और क्यूआर कोड से जुड़े बैंक खातों की जांच कर रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

सीएम ममता ने खुद की हत्या की आंशका जाहिर की... विपक्षी सांसदों का मिला साथ

सांसदों ने कहा, कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा खुद की हत्या होने की आशंका का विपक्ष के सांसदों ने समर्थन कर दिया है। विपक्षी सांसदों ने कहा कि कुछ इनपुट होगा तभी ममता ऐसा कह रही है। तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद ने मुद्दे पर चिंता जाहिर कर कहा कि यह स्थिति बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि ममता पहले भी कई बार राजनीतिक हिंसा से प्रभावित हो चुकी हैं, यहां तक कि वामपंथियों के खिलाफ संघर्ष के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। टीएमसी सांसद आजाद ने सवाल उठाया कि आखिर विपक्ष ममता से क्या चाहता है और क्या इस तरह के माहौल में उनकी सुरक्षा को खतरा नहीं है।

वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव कुमार राय ने ममता के बयान का समर्थन कर कहा कि उन्होंने बहुत कम कहा है। देश में ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है, जहां लोगों को यह तक तय करने की आजादी नहीं है कि वे क्या खाएं, क्या पहनें, क्या बोलें या क्या लिखें। इस तरह के बयान खुद ही मौजूदा हालात की सच्चाई बयां करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखकर ममता के बयान को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि महाराष्ट्र में एक पूर्व उपमुख्यमंत्री के निधन पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

इस क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर भी सपा सांसद राय ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को लेकर बार-बार बयान दिए जाते हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनावी भाषणों तक सीमित रह गई है और वास्तविक मुद्दों पर काम करने में विफल रही है। वहीं कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने भी ममता बनर्जी का समर्थन कर कहा कि अगर उन्होंने इस तरह की बात कही है, तब हो सकता हैं उनके पास कोई इनपुट होगा।

तमिलनाडु में बगावत की आशंका : पीएम मोदी का स्वागत करने नहीं आए भाजपा के अन्नामलाई ?

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में चुनावी सरगर्मी के बीच रविवार को एक बेहद दिलचस्प और चर्चाओं से भरी तस्वीर सामने आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान जब दोपहर करीब 1:30 बजे कोयंबटूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ, तो वहां उनके स्वागत के लिए भाजपा और एआईएडीएमके के कई दिग्गज नेता मौजूद थे। हालांकि, इस औपचारिक स्वागत समारोह में प्रदेश भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई की गैरमौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, स्वागत करने वाले नेताओं की सूची में अन्नामलाई का नाम प्रमुखता से शामिल था, लेकिन उनके एयरपोर्ट न पहुंचने से गुटबाजी और अंदरूनी खींचतान की अटकलें तेज हो गई हैं। इस घटनाक्रम पर स्पष्टीकरण देते हुए भाजपा नेता वनाथी श्रीनिवासन ने मीडिया से कहा कि अन्नामलाई का नाम निर्धारित सूची में था, लेकिन वे किन कारणों से नहीं आ सके, इसकी जानकारी उनसे ली जाएगी। उन्होंने पार्टी में किसी भी तरह की गुटबाजी से इनकार करते हुए जोर दिया कि सभी नेता एकजुट हैं और उम्मीदवारों के चयन का अंतिम फैसला केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का स्वागत करने वालों में नैनार नागेंद्रन, एल मुरुगन और वनाथी श्रीनिवासन के साथ सहयोगी दल एआईएडीएमके के नेता एस.पी. वेलुमणि भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री यहां से हेलीकॉप्टर के जरिए चुनावी प्रचार के लिए केरल रवाना हो गए।

ईरान में एयर स्ट्राइक से फैल रहा जहरीला धुआं, ब्लैक रेन हो सकती है खतरनाक : संजय राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में सोमवार को मध्य पूर्व में चल रहे ईरान-इजरायल युद्ध का मुद्दा उठाकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने इसके गंभीर वैश्विक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अब एक महीने से अधिक समय से जारी है और इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहे हैं।

शिवसेना यूबीटी नेता राउत के अनुसार, इस युद्ध के कारण ईंधन और एलपीजी जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे वैश्विक स्तर पर संकट गहराता जा रहा है। हालांकि उन्होंने विशेष रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरों को अधिक गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की राजधानी तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में एयर स्ट्राइक के कारण ऑयल रिफाइनरी और गैस भंडारों में भीषण आग लगी है, जिससे भारी मात्रा में जहरीला धुआं वातावरण में फैल गया है। इस धुएं में सल्फर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और अन्य खतरनाक रसायन शामिल हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। शिवसेना यूबीटी नेता राउत ने बताया कि वहां के लोगों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने 'ब्लैक रेन' यानी काली बारिश की घटनाओं का भी उल्लेख किया, जिसमें विषैले तत्व शामिल होते हैं। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनियों का हवाला देकर कहा कि यह स्थिति गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रदूषण सीमाओं में बंधा नहीं रहेगा और भविष्य में भारत के पश्चिमी राज्यों-गुजरात, राजस्थान और पंजाब-पर भी असर डाल सकता है। इससे वायु गुणवत्ता खराब होने, एसिड रेन की संभावना बढ़ने, फसलों के नुकसान, मिट्टी के दूषित होने और सांस संबंधी बीमारियों व कैंसर जैसी समस्याओं के बढ़ने का खतरा है। संजय राउत ने केंद्र सरकार से मांग की कि इस स्थिति का वैज्ञानिक आकलन करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जाए। साथ ही पश्चिमी राज्यों में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग बढ़ाई जाए और एक प्रभावी अलर्ट सिस्टम तैयार रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस पर्यावरणीय संकट के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, ताकि युद्ध को जल्द समाप्त किया जा सके। उन्होंने निष्कर्ष में कहा कि यह युद्ध अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रहा, बल्कि वैश्विक पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है।

टोल टैक्स को लेकर भड़के पंजाब के किसान, भारी बारिश के चलते कर दिया चक्का जाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए भारी टोल टैक्स और प्रवेश शुल्क के विरोध में सोमवार को पंजाब-हिमाचल सीमा पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। पंजाब मोर्चा के कन्वीनर गौरव राणा, कीर्ति किसान मोर्चा के प्रधान हरप्रीत सिंह भट्ठो और बीकेयू के नेताओं के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। मूसलाधार बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारियों के हौसले पस्त नहीं हुए और उन्होंने घंटों तक चक्का जाम जारी रखा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और पंचायत मंत्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलनकारी नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने टैक्स कम नहीं किया और टोल नाके नहीं हटाए, तो यह संघर्ष और तेज होगा।

नेताओं का कहना है कि अब समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है और सरकार को जनहित में इन शुल्कों को तुरंत वापस लेना होगा। इस मुद्दे पर पंजाब सरकार से भी अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है, क्योंकि विधानसभा में भी इस मामले का अब तक कोई ठोस हल नहीं निकल सका है। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी पूरा सहयोग दिया, जिससे यातायात व्यवस्था लंबे समय तक ठप रही। जाम की सूचना मिलने पर तहसीलदार संदीप कुमार और थाना प्रभारी जतिन कपूर के नेतृत्व में प्रशासन मौके पर पहुँचा। करीब ढाई घंटे के गतिरोध के बाद प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों से मांगपत्र लिया और उनकी मांगों को उच्च स्तर तक पहुँचाने का भरोसा दिया। हालांकि जाम खोल दिया गया, लेकिन वाहनों की लंबी कतारों के कारण यातायात पूरी तरह बहाल होने में करीब चार घंटे का समय लग गया। इस बीच पठानकोट टैक्सी यूनियन के जिला प्रधान रिंकू कुमार ने ऐलान किया है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो 1 अप्रैल को पठानकोट-डलहौजी और चंबा-धर्मशाला रूट को भी पूरी तरह ब्लॉक किया जाएगा। क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात है।

विशाखापट्टनम श्रद्धा वाल्कर बनी मोनिका... आरोपी प्रेमी ने हत्या कर शव के टुकड़े कर कई जगह फेंकें

-आरोपी भारतीय नौसेना में कार्यरत और पहले से शादीशुदा

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम से सामने आई दिल दहला देने वाली वारदात समाज में बढ़ती नृशंसता का एक और काला अध्याय है। एक नौसेना कर्मी द्वारा अपनी ही प्रेमिका की हत्या कर उसके शव के टुकड़े करने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह मामला न केवल एक जघन्य अपराध है, बल्कि रिश्तों में बढ़ते अविश्वास और डिजिटल युग के खतरों को दिखाता है।

इस मामले का मुख्य आरोपी चिंतादा रवींद्र है, जो भारतीय नौसेना में कार्यरत है और आईएनएस डेगा में तैनात है। मृतका की पहचान पोलिपल्ली मोनिका के रूप में हुई है। पुलिस जांच के अनुसार, रवींद्र शादीशुदा था, फिर भी वह मोनिका के साथ विवाहेतर संबंध में था। दोनों की पहली मुलाकात साल 2021 में एक डेटिंग एप के जरिए हुई थी। धीरे-धीरे उनकी मुलाकातें बढ़ीं और वे एक-दूसरे के करीब आ गए। आरोपी रवींद्र के अनुसार, मोनिका ने उससे कथित तौर पर 3.5 लाख रुपये उधार लिए थे। विवाद तब और बढ़ गया जब मोनिका ने रवींद्र की पत्नी को उनके संबंधों के बारे में बताने की धमकी देना शुरू किया। घटना वाले दिन, रवींद्र ने मोनिका को अपने फ्लैट पर बुलाया। वहां बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर रवींद्र ने मोनिका का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने जो किया, वह किसी डरावनी फिल्म की पटकथा जैसा है। आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए ऑनलाइन चाकू ऑर्डर किया। शव को कई टुकड़ों में काटा और गंध से बचने के लिए उन्हें फ्रीज में छिपा दिया। वह धीरे-धीरे अंगों को अलग-अलग जगहों पर फेंकने लगा। रविवार को जब वह आदिवीवरम के सुनसान इलाके में मोनिका का सिर और हाथ जला रहा था, तब पुलिस की सक्रियता के कारण इस घिनौने कृत्य का पर्दाफाश हुआ।

यह घटना दिल्ली के कुख्यात श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड की याद दिलाती है, जहाँ आफताब नामक युवक ने श्रद्धा की हत्या कर उसके शव के 35 टुकड़े किए थे और उन्हें फ्रीज में रखा था। विशाखापट्टनम के इस मामले में भी फ्रीज और शव के टुकड़े करने का वही पैटर्न दिखाई देता है, जो अपराधी की ठंडे दिमाग से की गई प्लानिंग को दर्शाता है। वर्तमान में पुलिस आरोपी की निशानदेही पर शव के अन्य हिस्सों की तलाश कर रही है। यह घटना हमें सतर्क करती है कि ऑनलाइन मेल-जोल और अनैतिक संबंधों का अंजाम कितना भयावह हो सकता है। कानून की सख्ती ही इसतरह के अपराधियों के मन में डर पैदा कर सकती है।

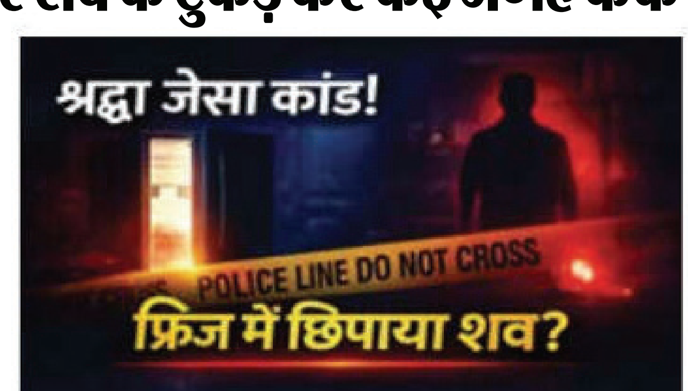

संक्षिप्त समाचार

क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंध : विदेश मंत्री रोड्रिग्ज ने ईंधन नाकेबंदी और आर्थिक दबाव पर साधा निशाना

हवाना, एजेंसी। क्यूबा और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। क्यूबा ने अमेरिका पर ईंधन आपूर्ति को लेकर झूठ बोलने का गंभीर आरोप लगाया है। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिग्ज पैरिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका के दावे उसकी अपनी नीतियों और आदेशों से मेल नहीं खाते। उन्होंने 29 जनवरी के एक कार्यकारी आदेश और उसके बाद उठाए गए कदमों का हवाला देते हुए कहा कि यह क्यूबा पर क्रूर ईंधन नाकाबंदी है। रोड्रिगेज के मुताबिक, अमेरिका न सिर्फ क्यूबा को तेल देने वाले देशों और कंपनियों को प्रतिबंध की धमकी दे रहा है, बल्कि तेल टैंकरों को भी निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन की नीति का मकसद क्यूबा की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना, विकास रोकना, आय के स्रोत खत्म करना और बाजार व तकनीक तक उसकी पहुंच सीमित करना है। दरअसल, क्यूबा दशकों से अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, जिसके चलते देश गंभीर आर्थिक और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी चेतावनी दी है कि ईंधन की भारी कमी क्यूबा को मानवीय संकट की ओर धकेल रही है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर एक विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा, 'अगला नंबर क्यूबा का है, लेकिन मीडिया से कहता हूं कि इस बात को नजरअंदाज करें।' यह बयान उन्होंने मियामी, फ्लोरिडा में आयोजित फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव सम्मेलन में दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका पहले ही वेनेजुएला और ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर चुका है। 3 जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया गया था, जबकि 28 फरवरी से ईरान पर हमले जारी हैं। इससे पहले भी राष्ट्रपति ट्रंप कह चुके हैं कि क्यूबा जल्द गिरने वाला है, हालांकि फिलहाल उनका ध्यान ईरान पर केंद्रित है।

व्हाइट हाउस ने लॉन्च किया नया मोबाइल ऐप, अब ट्रम्प को सीधे मैसेज भेज सकेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को 'व्हाइट हाउस ऐप' नाम से एक नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इसका मकसद लोगों तक सरकार की जानकारी सीधे पहुंचाना और पारंपरिक मीडिया के बजाय सीधे संवाद को बढ़ावा देना है। इस ऐप में 'न्यूज' सेक्शन दिया गया है, जहां सरकारी बयान और आधिकारिक अपडेट मिलेंगे। इसके अलावा फोटो गैलरी और सोशल मीडिया सेक्शन भी मौजूद है, जिसमें व्हाइट हाउस की गतिविधियां एक ही जगह पर देखी जा सकती हैं। ऐप में लोगों के लिए सीधे जुड़ने के कई विकल्प भी दिए गए हैं। यूजर्स ट्रम्प को सीधे मैसेज भेज सकते हैं, सवाल पूछने के लिए फॉर्म भर सकते हैं और नियमित अपडेट पाने के लिए सब्सक्रिप्शन ले सकते हैं। इसके अलावा ऐप में 'आईसीई टिप लाइन' फीचर भी जोड़ा गया है, जिससे लोग इमिग्रेशन और कस्टम विभाग को सीधे जानकारी दे सकते हैं। व्हाइट हाउस के मुताबिक, इस ऐप के जरिए यूजर्स को लाइव वीडियो, तुरंत अपडेट और बिना किसी फिल्टर के जानकारी मिलेगी। यह ऐप ऐसे समय पर लॉन्च हुआ है, जब अमेरिका में ट्रम्प की लोकप्रियता में गिरावट देखी जा रही है। एक सर्वे के मुताबिक उनकी अप्रूवल रेटिंग 41% है, जबकि 59% लोग उनके कामकाज से संतुष्ट नहीं हैं।

बैथ आयरन वर्क्स में हड़ताल खत्म, कर्मचारियों ने अनुबंध मंजूर किया

ओरेगन, एजेंसी। पोर्टलैंड के मेन में बैथ आयरन वर्क्स के कर्मचारियों ने एक सप्ताह की हड़ताल के बाद नए अनुबंध को मंजूरी दे दी। हड़ताल समाप्त होने के बाद काम तुरंत शुरू हो गया। हड़ताल में शामिल कर्मचारी बैथ मरीन ड्राफ्टसमेन एसोसिएशन के सदस्य थे। नए अनुबंध की अवधि चार साल की है। यूनियन के अनुसार, इन कर्मचारियों में डिजाइनर, तकनीकी क्लर्क, लैब तकनीशियन और सहायक इंजीनियर शामिल हैं। बैथ आयरन वर्क्स अमेरिका की मुख्य नौसेना शिपबिल्डिंग कंपनी है। यह कंपनी अर्ली बर्क–क्लास डिस्ट्रॉयर बनाती है, जिसे नौसेना की सतही फ्लीट की रीढ़ माना जाता है। हड़ताल अमेरिका–ईरान युद्ध और रक्षा निर्माण बढ़ाने की आवश्यकता के बीच हुई थी।

यूक्रेन पर रूसी ड्रोनों का बड़ा हमला अस्पताल और गैस संयंत्र तबाह

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन पर लगातार ड्रोन हमले कर भारी तबाही मचाई है। शनिवार को यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में चार लोगों की मौत हो गई और एक अस्पताल, गैस उत्पादन सुविधाओं और पोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है। वायुसेना के अनुसार, रूस ने 273 ड्रोन दागे, जिनमें से 252 मार गिराए गए। ओडेसा क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई और एक बच्चे सहित 12 घायल हो गए।

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका तक हमला करने की योजना बना रहा उत्तर कोरिया

प्योंगयांग, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल में जारी युद्ध के बीच ही उत्तर कोरिया भी सीधे अमेरिका तक वार करने वाली मिसाइल तैयार करने में जोर-शोर से जुटा हुआ है। रविवार को ही किम जोंग उन के सामने ही सॉलिड फ्यूल इंजन का टेस्ट किया गया है जिसका इस्तेमाल मिसाइलों में किया जाएगा। उत्तर कोरिया चाहता है कि वह अमेरिका की धरती तक सीधा वार कर सके।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (के मुताबिक उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ईरान पर हमले को लेकर अमरिका और इजरायल पर भड़के हैं। उन्होंने अपने भाषम में अमेरिका को आतंकवादी तक कह डाला। उत्तर कोरिया ने जिस इंजन का टेस्ट किया है वह 2500 किलोटम का पेलोड ले जा सकता है। सितंबर महीने में भी उत्तर कोरिया ने ऐसे ही एक इंजन का टेस्ट किया था जिसमें 1900 किलोटन भार ले जाने की क्षमता थी।

जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया अमेरिका को सीधी चुनौती देता है और इसलिए वह अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने में लगा है। उत्तर कोरिया चाहता है कि वह सीधा अमेरिका तक हमला करने में सक्षम हो जाए। केसीएनए ने यह नहीं बताया कि यह टेस्ट कहां और कितने बजे किया गया। उत्तर कोरिया पांच साल का एक सैन्य शक्ति अभियान चला रहा है। इसका उद्देश्य परमाणु क्षमता, इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल तैयार करना है। हाल के सालों में उत्तर कोरिया ने ऐसे कई हथियारों का परीक्षण किया है जो कि अमेरिका के मेनलैंड में हमला करने में सक्षम हों। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इंजन की शक्ति बढ़ाने की यह कोशिश संभवतः एक ही मिसाइल पर कई आयुध लगाने के प्रयासों से जुड़ी है ताकि अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने की संभावना बढ़ाई जा सके। केसीएनए की खबर के अनुसार किम ने कहा कि नवीनतम इंजन परीक्षण का ''देश की सामरिक सैन्य ताकत को सर्वोच्च स्तर पर पहुंचाने में बहुत महत्व'' है। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया ने विभिन्न प्रकार की ऐसी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया है जो अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंचने की उनकी संभावित क्षमता को प्रदर्शित करती हैं। इनमें ठोस प्रणोदक वाली मिसाइलें भी शामिल हैं जिनका प्रक्षेपण से पहले पता लगाना अधिक कठिन होता है। किम जोंग उन ने कहा था कि अमेरिका विरोधी भावनाओं के उभार के बीच उसके खिलाफ संयुक्त मोर्चे में उत्तर कोरिया और मजबूत भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि उनके दुश्मन 'चाहे टकराव का विकल्प चुनें या फिर शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का, लेकिन वह किसी भी विकल्प का जवाब देने के लिए तैयार हैं।' अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने में सक्षम केसीएनए के अनुसार किम जोंग उन ने मिश्रित कार्बन फाइबर सामग्री से बने नए उन्नत इंजन का 'ग्राउंड जेट' परीक्षण देखा। नए इंजन का अधिकतम थ्रस्ट 2,500 किलोटन है, जो पिछले सितंबर में परीक्षण किए गए लगभग 1,971 किलोटन से अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस शक्ति वृद्धि का उद्देश्य एक ही मिसाइल पर कई आयुध लगाने की क्षमता बढ़ाना और अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने की संभावना बढ़ाना है। हालांकि केसीएनए ने परीक्षण की सटीक तिथि और स्थान नहीं बताया।

अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइलें केसीएनए ने बताया कि यह परीक्षण उत्तर कोरिया के पांच-वर्षीय सैन्य विस्तार कार्यक्रम के तहत किया गया, जिसमें सामरिक हमले के साधनों को उन्नत करना शामिल है। किम ने कहा कि नवीनतम इंजन परीक्षण देश की सामरिक सैन्य ताकत को सर्वोच्च स्तर पर ले जाने में महत्वपूर्ण है। पिछले कई सालों में उत्तर कोरिया ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों के विभिन्न परीक्षण किए हैं, जिनमें ठोस ईंधन वाली मिसाइलें भी शामिल हैं। ठोस प्रणोदक वाली मिसाइलें प्रक्षेपण से पहले पहचानने में अधिक कठिन होती हैं, जिससे अमेरिकी रक्षा प्रणाली के लिए चुनौती बढ़ जाती है। ईरान में बाद उत्तर कोरिया नई मुसीबत ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में गंभीर नुकसान झेल रहे डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए अब उत्तर कोरिया एक नई चुनौती बन सकता है। लगातार मिसाइल और हथियार परीक्षण कर रहे किम जोंग उन की गतिविधियों के कारण कोरियाई प्रायद्वीप पर अक्सर तनावपूर्ण स्थिति बनी रहती है।

ईरान का बहरीन के एल्युमिनियम प्लांट पर हमला, दो कर्मचारी घायल

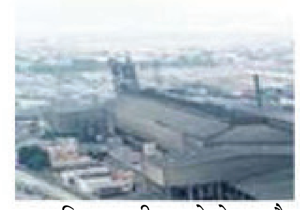

तेहरान, एजेंसी। बहरीन की प्रमुख औद्योगिक कंपनी एल्युमिनियम बहरीन (अल्बा) ने रविवार को पुष्टि की कि उसके औद्योगिक संयंत्र को शनिवार को हुए हमले में निशाना बनाया गया। इस घटना में कंपनी के दो कर्मचारियों को मामूली चोटें आई हैं। बहरीन न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कंपनी ने अपने बयान में कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और घायल कर्मचारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी गई है।

कंपनी ने यह भी बताया कि फिलहाल प्लांट को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही, संचालन को सामान्य बनाए रखने और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। अल्बा के बयान में कहा गया 'कंपनी के कर्मचारियों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है और इस हमले में हमारे दो कर्मचारी घायल हुए हैं।' कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि जैसे-जैसे नई जानकारी सामने आएगी, उसे साझा किया जाएगा।

आईआरजीसी ने ली हमले की जिम्मेदारी : इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। ईरानी सरकारी मीडिया ढ्ढत्रढ्ढक्के अनुसार, आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाया। आईआरजीसी के बयान में कहा गया कि उसकी एयरोस्पेस और नौसेना बलों ने मिसाइल और ड्रोन के जरिए एक संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान में यूएई के अमीरात ग्लोबल एल्युमिनियम और बहरीन के एल्युमिनियम बहरीन प्लांट को टारगेट किया गया।

अमेरिकी सैन्य उद्योग से जुड़ाव का आरोप : आईआरजीसी ने आरोप लगाया कि ये औद्योगिक इकाइयां अमेरिकी रक्षा और एयरोस्पेस उद्योग से जुड़ी हैं। संगठन के अनुसार, ये संयंत्र अमेरिकी सैन्य उत्पादन को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देते हैं। ईरान ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई उसके औद्योगिक ढांचे पर हुए कथित 'अमेरिकी-जायोनी' हमलों के जवाब में की गई है।

तनाव बढ़ने के संकेत : आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि उसकी जवाबी कार्रवाई आगे और भी तेज हो सकती है। इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ सकता है। पश्चिम एशिया में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति के बीच, इस तरह के हमले क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। हाल के दिनों में कई देशों में रणनीतिक ढांचों पर हमलों की खबरें सामने आई हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों को लेकर जेलेंस्की का बड़ा दावा, कहा- ईरान की मदद कर रहा है रूस?

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि रूस ने सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे की उपग्रह तस्वीरें हमले से ठीक पहले कई बार ली थीं और यह जानकारी ईरान के साथ साझा की गई हो सकती है। इस दावे ने पहले से ही तनावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय माहौल को और गंभीर बना दिया है। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में यह सामने आया है कि रूस के सैटेलाइट ने प्रिंस सुल्तान एयरबेस की 20 मार्च, 23 मार्च और 25 मार्च को तस्वीरें ली थीं। इसके ठीक एक दिन बाद 26 मार्च को ईरान ने इस एयरबेस पर हमला किया।

बताया गया है कि इस हमले में ईरान ने छह बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागे। इस हमले में कम से कम 15 सैनिक घायल हुए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई गई है। यह एयरबेस अमेरिका और सऊदी अरब दोनों की सेनाओं के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक ठिकाना है।

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के अनुभव के अनुसार, रूस द्वारा किसी स्थान की बार-बार सैटेलाइट इमेजिंग करना संभावित हमले का संकेत होता है। उन्होंने कहा, 'अगर वे एक बार तस्वीर लेते हैं तो तैयारी होती है, दूसरी बार लेते हैं तो वह अभ्यास जैसा होता है और तीसरी बार का मतलब है कि एक-दो दिनों में हमला हो सकता है। हालांकि, इस दावे के समर्थन में अभी तक कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया गया है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि यूक्रेन ने यह जानकारी कैसे प्राप्त की। फिर भी इस बयान को वैश्विक स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है, क्योंकि इससे रूस और ईरान के बीच संभावित सैन्य सहयोग की आशंकाएं बढ़ती हैं। जेलेंस्की इस समय खाड़ी देशों के दौरे पर हैं, जहां वे अपने देश की एयर डिफेंस प्रणालियों को साझा करने और सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते करने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन की ये प्रणालियां रूस के साथ चल रहे युद्ध में परखी जा चुकी हैं और अब उन्हें ईरानी मिसाइल और ड्रोन खतरों का सामना कर रहे देशों के लिए उपयोगी बताया जा रहा है।

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका में निकली ट्रंप के खिलाफ रैली

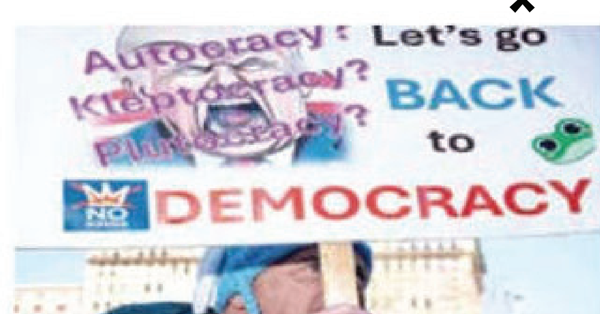

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिका और यूरोप में हजारों लोगों ने सड़कों पर उतरकर नो किंग' नाम से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए। ये प्रदर्शन डोनाल्ड की नीतियों खासकर ईरान के साथ चल रहे युद्ध और उनकी आक्रामक राजनीतिक शैली के खिलाफ आयोजित किए गए। इन रैलियों ने न केवल अमेरिका बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक ध्यान आकर्षित किया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ट्रंप के फैसलों ने मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल आया है और दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता बढ़ी है। कई अर्थशास्त्रियों ने आशंका जताई है कि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में धीमी वृद्धि, महंगाई में तेजी और यहां तक कि स्टैगफ्लेशन जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। इन विरोध प्रदर्शनों का केंद्र अमेरिका का मिनेसोटा राज्य रहा, जहां हजारों लोग एकजुट होकर ट्रंप की इमिग्रेशन नीति के खिलाफ खड़े नजर आए। लोगों ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के रूप में पेश किया और सरकार की नीतियों को चुनौती दी। नो किंग' रैलियों के आयोजकों के अनुसार, इससे पहले जून और अक्टूबर में हुए प्रदर्शनों में क्रमशः 50 लाख और 70 लाख लोग शामिल हुए थे। इस बार करीब 90 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई गई थी, हालांकि वास्तविक आंकड़े अभी स्पष्ट नहीं हैं। इन प्रदर्शनों में आव्रजन नीति, ट्रांसजेंडर अधिकारों में कटौती और ईरान युद्ध जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। इस बीच, मशहूर अमेरिकी गायक ब्रूस स्प्रिंग्सटीन मिनेसोटा के सेंट पॉल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का आकर्षण बने। उन्होंने अपने गीत 'स्ट्रीट आफ मिनियापोलिस ' के जरिए पुलिस कार्रवाई और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई। यह गीत संघीय एजेंटों द्वारा दो लोगों की मौत के बाद लिखा गया था। स्प्रिंगस्टीन ने मंच से लोगों के विरोध को उम्मीद की किरण बताया। देश के अन्य हिस्सों में भी बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। सैन डियागो में लगभग 40,000 लोगों ने मार्च किया, जबकि वाशिंगटन डीसी में सैकड़ों लोग लिंकन स्मारक से लेकर नेशनल मॉल तक रैली निकालते दिखे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'पुट डाउन द क्राउन' और 'सत्ता परिवर्तन की शुरुआत घर से होती है' जैसे नारे लिखे पोस्टर थे।

लॉस एंजिल्स में स्थिति कुछ तनावपूर्ण हो गई, जहां पुलिस ने एक संघीय डिटेंशन सेंटर के पास आंसू गैस का इस्तेमाल किया और कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया। वहीं न्यूयॉर्क सिटी में नागरिक अधिकार संगठनों ने सरकार पर लोगों को डराने का आरोप लगाया। इन प्रदर्शनों की गूंज यूरोप में भी सुनाई दी। रोम, लंदन और पेरिस सहित कई शहरों में लोगों ने मार्च निकालकर ट्रंप की नीतियों और ईरान युद्ध का विरोध किया। रोम में प्रदर्शनकारियों ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के खिलाफ भी नारे लगाए, जबकि लंदन में 'स्टॉप द फार राइट' जैसे संदेश देखने को मिले। वाइट हाउस ने इन प्रदर्शनों को खारिज करते हुए कहा कि ये वामपंथी संगठनों द्वारा प्रायोजित हैं और आम जनता का इनसे ज्यादा संबंध नहीं है।

पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख कमर बाजवा की मौत

बाथरूम में फिसलने से सिर में गंभीर चोट आई थी, 1 महीने से हॉस्पिटल में थे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा का 65 साल की उम्र में शनिवार को निधन हो गया। फरवरी में घर के बाथरूम में फिसलने के बाद उन्हें सिर में गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद रावलपिंडी के मिलिट्री अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था और वे आईसीयू में भर्ती थे। डॉक्टरों ने उनकी सर्जरी की थी। शुरुआत में डॉक्टरों ने सर्जरी को सफल बताया था, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी और लगातार निगरानी में रखा गया था। बाजवा 2016 से 2022 तक पाकिस्तान के सेना प्रमुख रहे और रिटायरमेंट के बाद भी देश की राजनीति और सुरक्षा मामलों में प्रभावशाली माने जाते थे। इमरान खान के साथ विवादों की वजह से चर्चा में थे कमर जावेद बाजवा पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ विवाद को लेकर काफी चर्चा में रहे थे। शुरुआत में दोनों के रिश्ते अच्छे थे, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए। जब 2018 में इमरान खान प्रधानमंत्री बने, तब कहा जाता था कि सरकार और सेना 'एक पेज' पर हैं। माना जाता है कि उस समय बाजवा के नेतृत्व में सेना का इमरान सरकार को समर्थन था और दोनों के बीच तालमेल ठीक था। लेकिन 2021 में आईएसआई प्रमुख की नियुक्ति को लेकर दोनों के बीच मतभेद शुरू हो गए। सेना चाहती थी कि नदीम अंजुम को तुरंत ISI चीफ बनाया जाए, जबकि इमरान खान इस फैसले को टाल रहे थे। यहीं से दोनों के रिश्तों में दरार आनी शुरू हो गई। इसके बाद 2022 में इमरान खान की सरकार गिर गई। इमरान खान ने आरोप लगाया कि सेना ने उनका साथ छोड़ दिया और विपक्ष को समर्थन दिया। हालांकि सेना ने इन आरोपों से इनकार किया। सरकार जाने के बाद इमरान खान ने खुलकर बाजवा और सेना की आलोचना शुरू कर दी। उनके 'न्यूट्रल तो जानवर होता है' वाले बयान ने इस विवाद को और बढ़ा दिया। 6 साल में अरबपति हो गया था बाजवा का परिवार कमर जावेद बाजवा के रिटायरमेंट के बाद उनकी फैमिली की संपत्ति को लेकर भी बड़ा विवाद हुआ था। 2022 में पाकिस्तानी पत्रकार अहमद नूरानी की रिपोर्ट में कहा गया था उनके परिवार की संपत्ति महज 6 साल में तेजी से बढ़कर अरबों में पहुंच गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बाजवा के रिश्तेदारों और करीबियों ने कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों में फार्म हाउस बनाए, बड़े बिजनेस शुरू किए और विदेशों में भी प्रॉपर्टी खरीदी। रिपोर्ट में कहा गया कि इन सभी संपत्तियों की कुल कीमत करीब 1200 करोड़ पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा हो सकती है। यह प्रॉपर्टी मुख्य रूप से उनकी पत्नी आयशा अमजद, बहू महनूर साबिर और परिवार के अन्य करीबी लोगों के नाम पर बताई गई। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 तक आयशा अमजद के नाम कोई प्रॉपर्टी नहीं थी, लेकिन 2016 में अचानक कई प्रॉपर्टी खरीदी गई और उनकी संपत्ति तेजी से बढ़ गई।

अमेरिकी संसद ने खोली पोल, कहा- पाकिस्तान में बैठे हैं भारत पर हमला करने वाले आतंकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अपनी आतंकवादी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान एकबार फिर बेनकाब हो गया है। अमेरिकी संसद की रिसर्च यूनिट अमेरिकी कांग्रेस अनुसंधान सेवा की एक ताजा रिपोर्ट ने भारत की उन आरोपों को और बल दिया है जिनमें पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठनों की गतिविधियों को लेकर लंबे समय से सवाल उठाए जाते रहे हैं। खासतौर पर जम्मू-कश्मीर से जुड़े आतंकवादी नेटवर्क पर इस रिपोर्ट ने गंभीर टिप्पणी की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की जमीन से भारत और खासकर कश्मीर में कई आतंकी संगठन अब भी सक्रिय हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हरकत-उल जिहाद इस्लामी, हरकत उल-मुजाहिदीन और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठन शामिल हैं। ये सभी भारत की सुरक्षा के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान लंबे समय से विभिन्न आतंकी संगठनों का केंद्र रहा है, जिनमें से कई 1980 के दशक से सक्रिय हैं। हालांकि पाकिस्तान ने इन पर कार्रवाई के लिए कई सैन्य अभियान और नीतिगत कदम उठाए हैं, लेकिन इन संगठनों को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका है। आपको बता दें कि यह रिपोर्ट दक्षिण एशिया विशेषज्ञ के. एलन क्रोनस्टाड्ट द्वारा तैयार की गई है। इस रिपोर्ट का उद्देश्य अमेरिकी सांसदों को क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति से अवगत कराना है। इसमें आतंकी संगठनों को पांच श्रेणियों में बांटा गया है। वैश्विक, अफगानिस्तान केंद्रित, भारत (कश्मीर) केंद्रित, घरेलू और सांप्रदायिक विशेषकर शिया विरोधी। तालिबान का भी जिक्र वैश्विक स्तर पर सक्रिय संगठनों में अल कायदा, भारतीय उपमहाद्वीप में अल कायदा और इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रांत का उल्लेख किया गया है। वहीं अफगानिस्तान से जुड़े संगठनों में तालिबान और हक्कानी नेटवर्क शामिल हैं। घरेलू स्तर पर सक्रिय समूहों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और जैश अल-अदल का नाम लिया गया है, जबकि सांप्रदायिक संगठनों में सिपह-ए-सहाबा पाकिस्तान और लश्कर-ए-झांगवी का जिक्र है। पाकिस्तान का ऐक्शन बेअसर रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2014 में पाकिस्तान द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय कार्ययोजना का उद्देश्य देश में किसी भी सशस्त्र मिलिशिया को सक्रिय नहीं रहने देना था। इसके बावजूद बड़े पैमाने पर सैन्य अभियानों, हवाई हमलों और हजारों खुफिया आधारित ऑपरेशनों के बाद भी इन संगठनों को समाप्त नहीं किया जा सका। रिपोर्ट के मुताबिक, कई बड़े सैन्य अभियान और सैकड़ों हजार खुफिया ऑपरेशन भी उन आतंकी संगठनों को खत्म करने में असफल रहे हैं, जिन्हें अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया है और जो अब भी पाकिस्तान में सक्रिय हैं। रिपोर्ट यह भी स्वीकार करती है कि पाकिस्तान खुद भी आतंकवाद से बुरी तरह प्रभावित रहा है। 2003 के बाद से देश में आतंकी हमलों की संख्या और प्रभाव काफी बढ़ा है।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका-इजरायल पर विश्वविद्यालयों को 'जानबूझकर' टारगेट करने का लगाया आरोप

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच जारी संघर्ष की वजह से दुनिया के दूसरे देशों में तनाव बढ़ता जा रहा है। दोनों तरफ से हमले जारी हैं। इस बीच ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और इजरायल पर ये आरोप लगाया है कि दोनों देश जानबूझकर विश्वविद्यालयों पर हमले कर रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने अमेरिका और इजरायल पर आरोप लगाया है कि उन्होंने युद्ध के दौरान जानबूझकर कई विश्वविद्यालयों और रिसर्च सेंटर पर हमला किया। इन हमलों में इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान में यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी शामिल हैं। बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली हमले का असली मकसद सामने आ रहा है: यूनिवर्सिटी, रिसर्च सेंटर, ऐतिहासिक स्मारकों और जाने-माने वैज्ञानिकों को सिस्टमैटिक तरीके से निशाना बनाकर हमारे देश की वैज्ञानिक नींव और सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करना।' ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी के मुताबिक, युद्ध की वजह से ईरान में कम से कम 600 शैक्षिक जगहों को नुकसान पहुंचा है या वे नष्ट हो गई हैं। उन्होंने लिखा, 'इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान में यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी उन कई यूनिवर्सिटी और रिसर्च सेंटर में से सिर्फ दो हैं जिन पर हमलावरों ने पिछले 30 दिनों में जानबूझकर हमला किया है। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और आने वाले खतरे का मुकाबला करना सिर्फ झूठे बहाने थे, सिर्फ मनगढ़ंत बातें जो उनके असली इरादे को छिपाने के लिए बनाई गई थीं।' इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अमेरिका और इजरायल की ओर से की जा रही कार्रवाई की घोर निंदा की थी। उन्होंने कहा, 'ईरान के ऊपर दो न्यूक्लियर सरकारों यानी अमेरिका और इजरायल की तरफ से जबरदस्ती एक गैर-कानूनी युद्ध थोप दिया गया है। यह हमला साफ तौर पर बिना किसी वजह के और बहुत बेरहम है।' उन्होंने यह हमला 28 फरवरी को शुरू किया जब ईरान और अमेरिका ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका की कही जा रही चिंताओं को हल करने के मकसद से एक डिप्लोमैटिक प्रक्रिया में लगे हुए थे। नौ महीने में दूसरी बार, उन्होंने बातचीत को रोककर और पटरी से उतारकर डिप्लोमेसी को धोखा दिया।' उन्होंने कहा कि इस हमले के सबसे डरावने उदाहरणों में से एक दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर में शजारेह तैयबेह प्राइमरी स्कूल पर किया गया हमला था, जहां 175 से ज्यादा स्टूडेंट्स और टीचर्स को जानबूझकर और बेरहमी से मार डाला गया था। अगर वो यह कहते हैं कि ये हमला जानबूझकर और पहले से प्लान किया गया नहीं था, तो इसे माना नहीं जाना चाहिए। अराघची ने कहा कि स्कूल को टारगेट करना एक वॉर क्राइम और इंसानियत के खिलाफ एक ऐसा अपराध है जिसकी सभी को साफ और बिना शर्त निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'शजारेह तैयबेह प्राइमरी स्कूल इस गैर-कानूनी युद्ध के पिछले 27 दिनों में अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए घिनौने जुर्मों का अकेला शिकार नहीं है। हमलावरों ने मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का बड़े पैमाने पर और सिस्टमैटिक तरीके से और बहुत बेरहम तरीके से उल्लंघन किया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com